वर्ष-10, अंक 59 पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज मंगलवार, 07 मई, 2024

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष क्षेत्र में एफडीआइ को आसान बनाने से बढ़ेंगी नौकरियां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) से जुड़े नियमों को आसान बनाने से विदेशी निवेशकों के साथ स्टार्टअप्स आकर्षित होंगे और टेकनेलाजी से जुड़ी नौकरियों की मांग बढ़ेगी। विशेषज्ञों ने यह बात कही है। सरकार ने सेटेलाइट जैसे उपकरण बनाने के लिए 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की

मंजूरी दी है डेलाइट इंडिया के पार्टनर श्रीराम अनंतसायनम का कहना है कि हाल में एफडीआइ की सीमा वृद्धि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसने निजी क्षेत्र के लिए कारोबार के नए अवसर खोले हैं। आने वाले समय में इस क्षेत्र में निजी कंपनियों की संख्या दहाई अंक में पहुंच सकती है। डेलाइट इंडिया के पार्टनर श्रीराम अनंतसायनम का कहना है कि हाल में एफडीआइ की सीमा वृद्धि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसने निजी क्षेत्र के लिए कारोबार के नए अवसर खोले हैं। आने वाले समय में इस क्षेत्र में निजी कंपनियों की संख्या दहाई अंक में पहुंच सकती है इंड्सला के पार्टनर रेवती मुरलीधरन का कहना है कि नई कंपनियों और रणनीतिक निवेशकों के प्रवेश से बढ़ने वाली प्रतिस्पर्धा को देखते हुए घरेलू कंपनियों को भारतीय अंतरिक्ष बाजार में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक टेकनेलाजी विकसित करने के लिए मजबूर करेगी।

बृजभूषण के बेटे को टिकट देकर देश की बेटियों को हराया गया', कांग्रेस का नारी शक्ति को लेकर पीएम मोदी पर वार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यौन उत्पीड़न के आरोपित बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को टिकट देकर देश की बेटियों को हरा दिया। इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पूछा, ठक्या मोदी के भारत में महिलाएं कभी सुरक्षित रहेंगी पीएम ने सूर्य घर योजना के तहत अयोध्या में मुफ्त बिजली के बारे में झूठ क्यों बोला? यूपी के युवाओं ने नौकरी बाजार को क्यों छोड़ दिया है कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यौन उत्पीड़न के आरोपित बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को टिकट देकर देश की बेटियों को हरा दिया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पूछा क्या मोदी के भारत में महिलाएं कभी सुरक्षित रहेंगी? पीएम ने सूर्य घर योजना के तहत अयोध्या में मुफ्त बिजली के बारे में झूठ क्यों बोला यूपी के युवाओं ने नौकरी बाजार को क्यों छोड़ दिया कांग्रेस महासचिव ने कहा कि पीएम मोदी ने एक बार फिर भारत की बेटियों को हरा दिया है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सांसद बृजभूषण शरण सिंह को उनके जघन्य अपराधों के लिए दंडित करने के बजाय, भाजपा ने उनके बेटे करण भूषण सिंह को कैसरगंज लोकसभा सीट से टिकट देकर पुरस्कृत किया है। हउन्होंने कहा कि यह उन सभी महिलाओं के चेहरे पर एक तमाचा है, जिन्होंने अपना करियर दांव पर लगा दिया और न्याय की लड़ाई में कई दिनों तक धूप और बारिश में सड़कों पर सोईं। जयराम ने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि 'मोदी का परिवार' में 'नारी शक्ति' सिर्फ एक नारा है, जबकि 'परिवार' यौन हिंसा के अपराधियों को आश्रय देता है।

'पीएम मोदी ने बहुमत का प्रयोग राम मंदिर निर्माण और अनुच्छेद-370 को हटाने में किया', तेलंगाना में अमित शाह ने साधा कांग्रेस पर निशाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

हैदराबाद। गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि संसद में एक भी भाजपा सांसद के रहने तक अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण खत्म नहीं होगा। मोदी सरकार 10 साल से स्पष्ट बहुमत है लेकिन उसने इसका प्रयोग आरक्षण हटाने में बल्कि राम मंदिर का निर्माण कराने, तीन तलाक खत्म करने और कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने में किया। उन्होंने कांग्रेस के 400 सीटें मिलने पर भाजपा द्वारा आरक्षण खत्म करने के दावे पर यह प्रतिक्रिया दी। चुनावी रैली में अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलकर चुनाव लड़ती है। इंटरनेट मीडिया पर अपने छेड़छाड़ किए गए वीडियो को प्रसारित किए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भी इस वीडियो को अन्य लोगों को भेजा। रेड्डी के दिल्ली पुलिस के उनके पीछे पड़ने के आरोप पर उन्होंने पूछा कि फर्जी वीडियो बनाया जाएगा तो और क्या होगा तेलंगाना के कागजनगर और निजामाबाद में चुनावी रैली में शाह ने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलकर चुनाव लड़ती है।

सीआईएससीई घोषित करेगा 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम, यहां देखें रिजल्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन सोमवार को कक्षा 10 और 12 के बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित करेगा। बोर्ड ने इस सत्र से कक्षा 10 और 12 के लिए कंपार्टमेंट परीक्षा बंद करने का भी निणन्य लिया है। 2024 काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (ण्घ्एर्ण्) सोमवार को कक्षा 10 और 12 के बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित करेगा। बोर्ड ने इस सत्र से कक्षा 10 और 12 के लिए कंपार्टमेंट परीक्षा बंद करने का भी निणन्य लिया है। कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं के बोर्ड परीक्षा के परिणाम की घोषणा छह मई को सुबह 11 बजे की जाएगी। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी और सचिव जोसेफ इमैनुएल ने रविवार को कहा, कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं के बोर्ड परीक्षा के परिणाम की घोषणा छह मई को सुबह 11 बजे की जाएगी। परिणाम बोर्ड की वेबसाइट, करियर पोर्टल और डिजीलाकर पर उपलब्ध होंगे। इमैनुएल ने कहा, जो अभ्यर्थी अपने अंक या ग्रेड में सुधार करना चाहते हैं, वे अधिकतम दो विषयों में इसके लिए परीक्षा दे सकते हैं। यह परीक्षा जुलाई में होगी।

अरुण रेड्डी के लैपटॉप व मोबाइल का डेटा रिकवर करेगी पुलिस, डिवाइस की हो रही फॉरेंसिक जांच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फेक वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार किए गए कांग्रेस नेता अरुण बी रेड्डी तीन दिन के लिए पुलिस रिमांड पर है। पुलिस पूछताछ में जानने की कोशिश कर रही है कि वीडियो किसने और कब बनाया था। फेक वीडियो एक्स पर पोस्ट करने के पीछे मकसद क्या था? रेड्डी से बरामद मोबाइल और लैपटॉप की जांच की जा रही है। जांच में सामने आया कि कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम के राष्ट्रीय समन्वयक अरुण बी रेड्डी ने गिरफ्तार होने से पहले अपने लैपटॉप और मोबाइल का डाटा डिलीट कर दिया था। स्पेशल सेल उसके मोबाइल और लैपटॉप का डाटा रिकवर करने का प्रयास कर रही है ताकि पता चल सके कि फेक वीडियो उसने खुद से बनाया था या उसके किसी अन्य साथी ने बनाया और उसे भेजा। जांच में सामने आया कि कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम के राष्ट्रीय समन्वयक अरुण बी रेड्डी ने गिरफ्तार होने से पहले अपने लैपटॉप और मोबाइल का डाटा डिलीट कर दिया था। स्पेशल सेल उसके मोबाइल और लैपटॉप का डाटा रिकवर करने का प्रयास कर रही है, ताकि पता चल सके कि फेक वीडियो उसने खुद से बनाया था या उसके किसी अन्य साथी ने बनाया और उसे भेजा। आरोपित के फोन और लैपटॉप को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। तीसरे चरण के लोकसभा चुनाव से पहले एक फेक वीडियो के माध्यम से भाजपा को एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण का विरोधी साबित करने की कोशिश की गई। फेक वीडियो में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आरक्षण को असंवैधानिक बताते हुए उसे खत्म करने का एलान करते दिखाया गया था, जबकि असली वीडियो में शाह एसटी, एससी और ओबीसी आरक्षण को बनाए रखने की बात कह रहे हैं। सोशल मीडिया पर गृह मंत्री का फेक वीडियो प्रसारित होने का मामला संज्ञान में आने के बाद गृह मंत्रालय ने 28 अप्रैल को आईएफएसओ को शिकायत दी थी, जिसके बाद पुलिस तुरंत जांच में जुट गई थी।

सरकार बनने पर रोहित वेमुला अधिनियम होगा पारित', कांग्रेस ने दिवंगत छात्र के परिवार को न्याय देने का किया वादा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि रोहित वेमुला मामले में पहले की जांच में कई विसंगतियां थीं। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार रोहित के परिवार को न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र रोहित ने वर्ष 2016 में आत्महत्या कर ली थी। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि रोहित वेमुला मामले में पहले की जांच में कई विसंगतियां थीं। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार रोहित के परिवार को न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र रोहित ने वर्ष 2016 में आत्महत्या कर ली थी। रोहित की मौत के कारणों की जांच कर पुलिस ने स्थानीय अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट दायर कर दावा किया कि रोहित दलित नहीं था। रोहित की मौत के कारणों की जांच कर पुलिस ने स्थानीय अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट दायर कर दावा किया कि रोहित दलित नहीं था। उसे डर था कि उसकी 'वास्तविक पहचान' उजागर हो जाएगी। संभव है कि इसलिए उसने आत्महत्या की हो। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी. वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट किया, ठकांग्रेस रोहित के परिवार के साथ खड़ी है। तेलंगाना पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्लोजर रिपोर्ट जून 2023 में तैयार की गई थी। पहले की जांच में कई विसंगतियां थीं।वेणुगोपाल ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस सरकार बनने पर रोहित वेमुला अधिनियम पारित किया जाएगा। यह कानून सुनिश्चित करेगा कि सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन की पृष्ठभूमि वाले किसी भी छात्र को कॉलेज परिसरों में जाति और सांप्रदायिक अत्याचार का सामना न करना पड़े। इससे पहले रोहित की मां राधिका वेमुला ने शनिवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। राधिका ने मुख्यमंत्री से सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि परिवार के साथ न्याय हो। मुख्यमंत्री ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है।

आंध्र प्रदेश के डीजीपी पर चला चुनाव आयोग का चाबूक मतदान से पहले किया ट्रांसफर सरकार को भी दिया ये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने रविवार को आंध्र प्रदेश के पुलिस महानिदेशक केवी राजेंद्रन रेड्डी को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित करने का आदेश दिया। आयोग ने राज्य सरकार से रिक्त पद को भरने के लिए सोमवार तक पुलिस महानिदेशक स्तर के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के तीन पात्र अधिकारियों के नाम सौंपने को कहा है। निर्वाचन आयोग ने रविवार को आंध्र प्रदेश के पुलिस महानिदेशक केवी राजेंद्रन रेड्डी को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित करने का आदेश दिया। आयोग ने राज्य सरकार से रिक्त पद को भरने के लिए सोमवार तक पुलिस महानिदेशक स्तर के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के तीन पात्र अधिकारियों के नाम सौंपने को कहा है। निर्वाचन आयोग की इस कार्रवाई के पीछे के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। निर्वाचन आयोग की इस कार्रवाई के पीछे के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। 175 सदस्यीय राज्य विधानसभा और आंध्र प्रदेश में लोकसभा की 25 सीटों के लिए एक साथ 13 मई को मतदान कराया जाएगा। मतों की गिनती चार जून को होगी।

केंद्र की राज्यों को आईसीयू में भर्ती 'ब्रेन स्टेम डेड' मरीजों पर एडवाइजरी, देश में कम अंगदानकर्ताओं से चिंतित सरकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अंगदान महादान है और इस दिशा में भगीरथी प्रयास के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को आईसीयू में भर्ती 'ब्रेन स्टेम डेड' मरीजों के मामलों की निगरानी करने को कहा है। सरकार का कहना है कि ऐसी मौतों की ठीक से पहचान नहीं होने और उचित सर्टिफिकेशन के अभाव में देश में अंगदान की दर बहुत ही कम है। अंगदान महादान है और इस दिशा में भगीरथी प्रयास के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को आईसीयू में भर्ती ब्रेन स्टेम डेड मरीजों के मामलों की निगरानी करने को कहा है। सरकार का कहना है कि ऐसी मौतों की ठीक से पहचान नहीं होने और उचित सर्टिफिकेशन के अभाव में देश में अंगदान की दर बहुत ही कम है। देश में अंगदान की दर बढ़ाने के लिए ही केंद्र सरकार ने राज्यों को एडवाइजरी जारी की है क्योंकि हर दस लाख लोगों पर एक से भी कम अंगदानकर्ता है। इसके समाधान के तौर पर सरकार की मंशा ब्रेन डेड मरीजों और अंग प्रत्यारोपण को आपस में जोड़ कर अंगदान की एक प्रणाली विकसित करने की है। राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) के निदेशक डा. अनिल कुमार ने राज्यों को भेजे पत्र में कहा कि भारत में अंगदान की दर लगातार कम रह रही है। इस दिशा में प्रमुख चुनौतियों में से ब्रेन स्टेम डेड (बीएसडी) की समुचित पहचान और उचित सर्टिफिकेशन नहीं होना है। देश में लाखों जरूरतमंदों को समय रहते अंग नहीं मिलने से उनकी जान जा रही है। आईसीयू में होने वाली सभी मौतों में से पांच प्रतिशत ब्रेन डेड का नतीजा होती हैं। इसके बावजूद समय रहते इनकी पहचान नहीं हो पाती। इसलिए अस्पतालों के आइसीयू (इंटेसिव क्येर यूनिट) में भर्ती संभावित ब्रेन डेड मरीजों की सही पहचान होना बहुत जरूरी है। देश में कानूनी प्रविधान 'द ट्रांसप्लांटेशन आफ ह्यूमन ऑर्गन्स टिश्यूज एक्ट, 1994' के तहत ही इस प्रक्रिया को अंजाम देना जरूरी है। इस कानून की धारा 2(ई) के अनुसार एक मृत व्यक्ति वह है जिसमें स्थायी रूप से जीवन का कोई चिन्ह बाकी न रह गया हो। लेकिन इस मौत का कारण ब्रेन स्टेम डेथ हो या हृदय या फेफड़ों का काम बंद करना हो। संभावित आर्गन डोनर के लिए यह भी जरूरी है कि उसने अंगदान के लिए संकल्प लिया हो। और अगर उस मरीज ने पहले से ऐसा नहीं किया है तो उनके स्वजनों को इस बात से अवगत कराकर उन्हें मरीज की हृदयगति थमने से पहले कानूनन अंगदान के लिए स्वीकृति लेनी चाहिए। कुमार ने कहा कि वह देश में अंगदान बढ़ाने के प्रयास में सबका सहयोग चाहते हैं। इस कानून की धारा 2(ई) के अनुसार एक मृत व्यक्ति वह है जिसमें स्थायी रूप से जीवन का कोई चिन्ह बाकी न रह गया हो। लेकिन इस मौत का कारण ब्रेन स्टेम डेथ हो या हृदय या फेफड़ों का काम बंद करना हो। संभावित आर्गन डोनर के लिए यह भी जरूरी है कि उसने अंगदान के लिए संकल्प लिया हो। और अगर उस मरीज ने पहले से ऐसा नहीं किया है तो उनके स्वजनों को इस बात से अवगत कराकर उन्हें मरीज की हृदयगति थमने से पहले कानूनन अंगदान के लिए स्वीकृति लेनी चाहिए। कुमार ने कहा कि वह देश में अंगदान बढ़ाने के प्रयास में सबका सहयोग चाहते हैं। निर्देश दिया है कि वह अस्पतालों में आईसीयू, इमरजेंसी या फिर किसी अन्य महत्वपूर्ण स्थल के बाहर अंगदान की अपील वाला डिस्प्ले बोर्ड लगवाएं। पत्र के साथ एक सूची भी संलग्न की गई है जिसमें मासिक तौर पर अस्पताल से जुटाई जाने वाली जानकारियों का ब्योरा दिया गया है।

एलएसी पर निगरानी क्षमता में होगा इजाफा, इन हवाईअड्डों पर प्रीडेटर ड्रोन तैनात करने की योजना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय सेना और वायु सेना लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर निगरानी क्षमता बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश के सरसावा और गोरखपुर में हवाई अड्डों पर संयुक्त रूप से एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन तैनात करने की योजना बना रही है। भारतीय सेना और वायु सेना लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर निगरानी क्षमता बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश के सरसावा-गोरखपुर में हवाई अड्डों पर संयुक्त रूप से एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन तैनात करने की योजना बना रही है। अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी ड्रोन खरीदे जा रहे हैं। इनमें से नौसेना की ओर से 15 ड्रोन समुद्री क्षेत्र की निगरानी के लिए तैनात किए जाएंगे। ड्रोन सौदा, जिसकी कीमत लगभग चार अरब डालर होने की उम्मीद है, त्रि-सेवा स्तर पर किया जा रहा है और भारतीय नौसेना अमेरिकी पक्ष के साथ इसके लिए बातचीत का नेतृत्व कर रही है। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि एमक्यू-9बी ड्रोन को उड़ान भरने और उतरने के लिए लंबे रनवे की आवश्यकता होती है।

पत्नी को बचाने के चक्कर में पति भी कुएं में गिरा दोनों की मौत, देर रात हंडिया में दर्दनाक घटना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। विवाद के बाद कुएं में छलांग लगाने जा रही पतनी को बचाने के चक्कर में पति भी कुएं में गिर गया। हादसे में दंपती की मौत हो गई। घटना हंडिया थाना क्षेत्र के दुलापुर गांव में देर रात हुई। फायर ब्रिगेड की मदद से दोनों के शव को बाहर निकलाया। हंडिया थाना क्षेत्र के दुलापुर गांव में विवाद के बाद कुएं में कूदने जा रही पतनी को बचाने के चक्कर में पति भी कुएं में गिर गया। जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर पुलिस अधिकारी फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुंच गए। किसी तरह से शव को बाहर निकलवाया गया। दंपती को सात बेटियां हैं। सबसे छोटी बेटी तीन माह और बड़ी बेटी ग्यारह साल की है। सातों बेटियों के सिर से एक झटके में माता-पिता का साया उठ गया। बूढी मां का रो-रोकर बुरा हाल है। दुलापुर गांव निवासी लवकुश विश्ववकर्मा (34) गांव में ही बढ़ई गिरी का कार्य करता था। उसकी शादी भदोही जिले में सुरियावां थाना क्षेत्र के कंजिया में पिंकी (32) के साथ हुई थी। दोनों के कुल सात बेटियां ही हैं। सबसे छोटी बेटी अभी तीन माह की ही है, जबकि सबसे बड़ी बच्ची ग्यारह साल की है। रविवार की देर रात पति-पतनी में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। तैश में आकर पिंकी आत्महत्या करने के लिए घर के पास बने कुएं की तरफ दौड़ी। यह देख लवकुश उसको बचाने के लिए पीछे पीछे दौड़ा। कुएं की जगत पर चढ़कर पिंकी ने जैसी ही छलांग लगाई तब तक लवकुश भी उसका हाथ पकड़कर बचाने लगा। पतनी के साथ वह भी कुएं में जा गिरा। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से गांव में खलबली मच गई। सूचना पाकर कोतवाल हंडिया के अलावा सीओ एसीपी हंडिया मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड की मदद से दंपती का शव बाहर निकलवाया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घर में सिर्फ बूढ़ी मां सोना देवी पतने सोहनलाल ही है। लवकुश दो भाइयों में बड़ा था। छोटा भाई राजा मुंबई में फर्नीचर बनाने का कार्य करता है।

सपा के पूर्व विधायक मुज्तबा सिद्दीकी के बेटे का हार्टअटैक से निधन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। भाजपा नेता और फूलपुर लोकसभा प्रत्याशी प्रवीण पटेल, भाजपा के फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य समेत तमाम भाजपा नेताओं ने पहुंचकर मुज्तबा सिद्दीकी को सांत्वना दिया और घटना पर दुख जताया। दोपहर बाद शव को फूलपुर कब्रिस्तान में दफन किया गया। पूर्व विधायक मुज्तबा सिद्दीकी के बेटे अब्दुल्ला का रविवार को हार्टअटैक से निधन हो गया। वह करीब 35 वर्ष के थे। अब्दुल्ला के निधन की खबर से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। अचानक मौत से परिवार में कोहराम सा मच गया। पूर्व विधायक का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। भाजपा नेता और फूलपुर लोकसभा प्रत्याशी प्रवीण पटेल, भाजपा के फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य समेत तमाम भाजपा नेताओं ने पहुंचकर मुज्तबा सिद्दीकी को सांत्वना दिया और घटना पर दुख जताया। दोपहर बाद शव को फूलपुर कब्रिस्तान में दफन किया गया। सपा के पूर्व विधायक मुजतबा सिद्दीकी के पुत्र मो. अब्दुल्लाह का रविवार को निधन हो गया। बताया जा रहा है कि उनका निधन हार्ट अटैक से हुआ। देर शाम उनके पैतृक गांव लिलहत में उन्हें सुपुर्दे खाक किया गया। उनके निधन की सूचना पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, राष्ट्रीय महासचिव मयंक श्रीवास्तव, पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह आदि ने शोक जताया है।

प्रसपा के लोकसभा प्रत्याशी को पुलिस ने उठाया, जमीन दिलाने के नाम पर रुपये ऐंठने का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। अजीत कुमार पटेल को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी ने इलाहाबाद संसदीय सीट से अपना प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने नामांकन पत्र भी दाखिल कर दिया है। सोमवार को भोर में घूरपुर कर दिया है। सोमवार को भोर में घूरपुर पुलिस ने घर पर पहुंचकर उनको गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार अजीत के किलाफ धोखाधड़ी करने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। इस संबंध में परिवार के लोगों का कहना है कि प्रशासन चाहता है कि अजीत चुनाव न लड़ सकें। उनको चुनाव लड़न से रोकने के लिए यह हथकंडा अपनाया जा रहा है। रविवार को अजीत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। तहरीर में कहा गया है कि अजीत ने जमीन दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपया ले लिया है।

पुलिस ने घर पर पहुंचकर उनको गिरफ्तार कर लिया। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी अजीत कुमार पटेल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सोमवार को भोर में घूरपुर पुलिस ने डांडी गांव के मनन का पुरवा में पहुंचकर अजीत पटेल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार अजीत के खिलाफ जमीन दिलाने के नाम पर धन ऐंठने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। अजीत कुमार पटेल को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी ने इलाहाबाद संसदीय सीट से अपना प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने नामांकन पत्र भी दाखिल जमीन नहीं दिलाई न ही पैसा वापस कर रहे हैं। पैसा वापस मांगने पर मारने पीटने के लिए धमकी देते हैं। अजीत कुमार पटेल चुनाव लड़ने के आदी हैं। वह तीन चार बार विधानसभा चुनाव भी बतौर निर्दल प्रत्याशी लड़ चुके हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी ने ही उन्हें करछना विधानसभा से प्रत्याशी बनाया था। लोकसभा के चुनाव में भी प्रसपा ने उन्हें टिकट दिया है। इसके पहले भी वह तीन बार बतौर निर्दल चुनाव लड़ चुके हैं। क्षेत्र के लोगों की माने तो अजीत चुनाव लड़ने के आदी हो गए हैं।

इंडिया गठबंधन के प्रचार की कमान संभालेंगे अधिवक्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाने के लिए दोनो दलों से जुड़े अधिवक्ताओं की पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह के अशोक नगर स्थित आवास पर संपनन्न हुई संयुक्त बैठक में निणन्य लिया गया कि वकील टोलिया बना कर तहसील, जिला और हाईकोर्ट में वकील से संपर्क साधेंगे। कांग्रेस के गारंटी कार्ड के साथ समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र का वितरण किया जाएगा। इंडिया गठबंधन के इलाहाबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह और फूलपुर से सपा प्रत्याशी अमरनाथ मौर्या के समर्थन में कांग्रेस और सपा के अधिवक्ता प्रकोष्ठ से जुड़े वकील संयुक्त रूप से जनसंपर्क की कमान सम्हलेंगे।

एआई से युवती की अश्लील तस्वीर बनाकर इंस्टाग्राम पर डाला, दो लाख न देने पर की वायरल करने की धमकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। पीडिता ने पुलिस को बताया कि दो मार्च को दोस्त ने बताया कि उसके नाम से एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया गया है। उसने चेक किया तो उस अकाउंट पर उसकी व उसके परिवार की तस्वीरें पोस्ट करने के साथ ही अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया था। कैंट क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिये युवती की अश्लील तस्वीर बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दी गई। यही नहीं दो लाख रुपयों की मांग की गई और नहीं देने पर तस्वीरें रिश्तेदारों व दोस्तों को भेजने की धमकी दी गई। 12 अलग-अलग नंबरों से कॉल कर रुपये मांगे गए पीडिता ने पुलिस को बताया कि दो मार्च को दोस्त ने बताया कि उसके नाम से एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया गया है। उसने चेक किया तो उस अकाउंट पर उसकी व उसके परिवार की तस्वीरें पोस्ट करने के साथ ही अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया था। इसकी उसने पुलिस से शिकायत की। इसके बावजूद 10 अप्रैल को एक नई आईडी बनाकर एआई के उपयोग से उसकी और उसकी मां की अश्लील तस्वीर बनाई गई। इन तस्वीरों का अकाउंट पर अपलोड किया गया। इसके बाद अज्ञात नंबर से कॉल कर एक व्यक्ति ने खुद को साइबर सेल का अधिकारी बताया और प्रकरण की जानकारी मांगी। फिर दो लाख रुपयों की मांग की। न देने पर अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म व दोस्तों व रिश्तेदारों को व्हाट्सएप पर अश्लील तस्वीरें भेजने की धमकी दी गई। यही नहीं उसका मोबाइल नंबर भी इंस्टाग्राम व पबजी पर अपलोड किया गया।फिर अलग-अलग 11 अन्य नंबरों से कॉल कर भी रुपये मांगे गए। युवती ने पुलिस को यह भी बताया कि उसने साइबर सेल में भी मामले की शिकायत की थी। उसका दावा है कि साइबर सेल ने मामले की जांच कर आरोपियों के मोबाइल नंबर व रिपोर्ट भी कैंट थाने को भेज दी है।

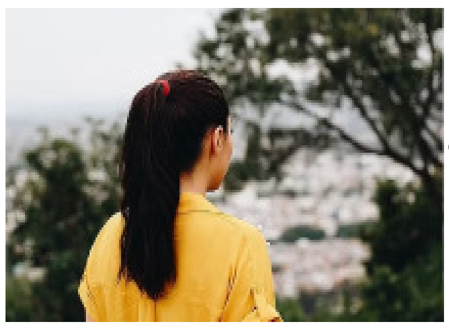

क्रेक बेयरिंग बदलने के लिए चार घंटे बंद किया गया शास्त्री सेतु, एक लेन पर यातायात से हुई दिक्कत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। करीब 70 हजार से अधिक वाहनों के रोजाना आवागमन वाले इस सेतु की बेयरिंग में खराबी आने की जानकारी के बाद कर पिलर नंबर 10 की मरम्मत की गई। इस दौरान पता चला कि पिलर नंबर 10 का रोलर अपनी जगह से खिसक गया है। इसके साथ ही फाउंडेशन भी टूट गया

अनुरक्षण का जिम्मा संभालने वाले पीडब्लूयूडी के तृतीय खंड ने इसकी मरम्मत कराने की दिशा में पहल शुरू कर दी। गंगा नदी के ऊपर बने शास्त्री पुल के उत्तरी लेन के पिलरों में आ रही खराबी दूर होने का का नाम ही नहीं ले रही है। तकरीबन डेढ़ माह बाद एक बार फिर उत्तरी लेन के पिलरों में खराबी आ गई। रविवार को तकरीबन चार घंटे उत्तरी लेन पर यातायात बंद था। दक्षिणी लेन के पिलर नंबर दो में भी आई खराबी को दूर करने के लिए मरम्मत कार्य किया गया मरम्मत कार्य में लोक निर्माण विभाग के आधा दर्जन कर्मचारियों को लगाया गया था। इसके साथ ही पिलर नंबर 22 और 42 की मरम्मत सोमवार को होगी। इस दौरान यातायात एक बार फिर बंद होने की संभावना जताई गई है। पुल के पिलरों की मरम्मत कार्य के कारण दोनों ओर के वाहनों को एक लेन से गुजारा गया। इसके चलते सुबह से शाम चार बजे तक जाम जैसे हालात बने रहे। भीषण गर्मी में जाम के झाम को समाप्त करने में इलाकाई पुलिस और ट्रैफिक पुलिस के पसीने छूट गए थे। सत्तर हजार से अधिक वाहनों का रोजाना होता है आवागमन तकरीबन 70 हजार से अधिक वाहनों के रोजाना आवागमन वाले शास्त्री पुल के पिलरों में पिछले कुछ महीनों में जल्दी-जल्दी खराबी आ रही है। शास्त्री सेतु से गुजरने वाली ऐतिहासिक ग्रैंड ट्रंक रोड पड़ोसी राज्य बिहार और पश्चिम बंगाल को भी संगम के शहर से जोड़ती है। लेकिन, समुचित रखरखाव के अभाव में शास्त्री पुल के उत्तरी लेन के कई पिलर और ज्वाइंट एक्सपेंशन में पहले भी खराबी आ चुकी है। बेयरिंग खिसकने के साथ रोलर भी गंगा नदी में गिर चुका है। इसकी वजह से बड़े हादसों की आशंका बनी रहती है। तकरीबन दो साल पहले ही शास्त्री पुल के उत्तरी लेन की मरम्मत के साथ ही सड़क भी बनवाई गई थी।

सातवें चरण का नामांकन कल, दो दिन अवकाश; ऱ्र्य्झ् सीट पर पीएम मोदी व अजय राय दाखिल करेंगे पर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। उत्तर प्रदेश में सातवें चरण के लिए सात मई से नामांकन एस राजलिंगम ने रविवार को नामांकन से संबंधित बैठक कर अफसरों को जरूरी निर्देश दिए। चल रहा है तो उसकी भी केस नंबर के साथ वर्तमान स्थिति की जानकारी देनी होती है। साथ ही निर्धारित शुल्क

प्रक्रिया शुरू होगी। 11 और 13 मई को अवकाश होने के चलते नामांकन नहीं किया जाएगा। इस सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व बसपा से अतहर जमाल लारी नामांकन करेंगे। लोकसभा चुनाव के लिए अंतिम सातवें चरण का नामांकन 7 मई यानी मंगलवार से शुरू होगा। नामांकन सुबह 11 बजे से शाम तीन बजे तक दाखिल किया जा सकेगा। 11 मई को दूसरा शनिवार और 12 मई को रविवार होने के चलते नामांकन नहीं हो सकेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी नामांकन सुबह 11 बजे से तीन बजे तक होगा। कलक्ट्रेट से 100 मीटर की परिधि पर प्रत्याशी व उनके समर्थकों के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। नामांकन के दिन सभा या जुलूस के लिए पूर्व अनुमति आवश्यक होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नामांकन कक्ष में प्रत्याशी के साथ केवल चार व्यक्ति प्रवेश कर सकते हैं। प्रत्याशी को इसमें अपनी शैक्षिक योग्यता, आय-व्यय, चल-अचल संपत्ति, पतनी, बच्चे, कर्ज, हथियार, आपराधिक मामलों आदि के बारे में भी बताना होता है। कोई मुकदमा और पासपोर्ट फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, मूल निवास, जाति प्रमाणपत्र सहित अन्य कागजात के साथ जमा करना होगा। नामांकन के साथ तय जमानत राशि भी जमा करनी होती है। प्रत्येक प्रत्याशी को नोटरी स्तर पर बनवाया गया शपथपत्र जमा करना होता है।वीवीआईपी वाराणसी सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय नामांकन करेंगे। बसपा की ओर से अतहर जमाल लारी चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा राजस्थान के कॉमेडियन श्याम रंगीला भी 10 मई को नामांकन करेंगे।

काशी में आज से बदलेगा मौसम, तीन दिनों तक गरज-चमक के साथ हो सकती है बारिश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी में गर्मी से बेहाल लोगों को जल्द राहत मिल सकती है। कई दिनों ने गर्म हवाओं तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था, वहीं दो और तीन मई को मौसम में बदलाव और हवा में नमी की वजह से कम होकर

के साथ तेज धूप से लोगों का हाल बेहाल है। चिलचिलाती धूम में लोग बाहर निकलने से कतरा रहे। इस बीच सात से 10 मई तक बूंदाबांदी के आसार हैं। काशी में भीणष गर्मी के बीच बारिश की फूहारें लोगों को राहत दे सकती हैं। जिले में मई महीने की शुरूआत ही भीषण गर्मी के साथ हुई। जो दिन-ब-दिन बढ़ती गई। उधर, बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव का कहना है कि पहाड़ों पर मौसम में बदलाव का असर आज से दिखेगा। जिले में 7 से 10 मई तक तेज हवा, गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी के आसार हैं। मई के पहले सप्ताह से ही मौसम में तेजी से उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। पहले दिन अधिकतम 40 से नीचे आ गया एक बार फिर से चार मई को मौसम ने करवट ली। दिन में गर्म हवाएं भी 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। अधिकतम तापमान 43.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जो कि औसत से 3.5 अधिक रहा जबकि न्यूनतम तापमान 22.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। 10 साल में 5 मई का दिन रविवार को सबसे गर्म रहा। तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के करीब (43.9) पहुंच गया, जो इस सीजन का भी सर्वाधिक रहा। गर्म हवाओं और तेज धूप से लोग बेचैन हो गए। मौसम में बदलाव की वजह से तापमान का नया रिकॉर्ड बन गया।

वाराणसी में सात एसटीपी, रोज 42 करोड़ लीटर पानी साफ करने की क्षमता; फिर भी गंगा मैली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी में 10 करोड़ लीटर सीवरेज रोज गंगा में जा रहा है। सीवर समस्या का समाधान करने के लिए चार और एसटीपी की जरूरत है। ऐसे में सीवरेज गंगा

में जाने से रोकने के लिए जल निगम की ओर से चार जगहों पर एसटीपी बनेगा। सीवर समस्या का समाधान करने के लिए 7 एसटीपी से 420 एमएलडी शोधन किया जा रहा है। शहर में 522 एमएलडी सीवर डिस्चार्ज हो रहा है। इसके बावजूद 102 एमएलडी सीवर किसी न किसी रास्ते गंगा में जा रहा है। जिसे रोकने लिए चार नए एसटीपी की जरूरत है।वरुणा, अस्सी के अलावा अन्य नालों से मिलाकर 102 मिलियन लीटर पर डे (एमएलडी) सीवर गंगा में जा रहा है। सीवर को नदियों में जाने से रोकने के लिए 201 करोड़ रुपये से वरुणा कॉरिडोर बनाया गया। सात किमी क्षेत्र को हराभरा करने के साथ दोनों किनारों पर सीवर के लिए पाइपलाइन डाली गई। इन्हें गोइठहां एसटीपी से जोड़ा गया ताकि सीवर सीधे वरुणा के जरिये गंगा में न जा सके। ये पाइपें भी जगह-जगह टूटीं हैं। इनकी मरम्मत होनी बाकी है। कई जगहों पर चेंबर और पाइप लाइनें टूट चुकी हैं। जिसकी वजह से सीवर ओवरफ्लो होकर वरुणा में जा रहा है।शहर को सीवर से मुक्त करने के साथ वरुणा और असि के किनारों को हराभरा करने के लिए योजना बनाई गई थी, लेकिन ये योजनाएं परवान नहीं चढ़ सकीं। यहां कराए गए निर्माण भी अब खराब हो रहे हैं। कई जगहों की इंटरलॉकिंग तक धंस गई है। कई लोगों ने डूब क्षेत्र में निर्माण भी करा रखा है।बीएचयू के गंगा रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार वरुणा-असि नदी का अपना मौलिक जल, गुण, मात्रा और आवेग हुआ करता था। जो नगर के भूमिगत जल स्तर को संतुलित करने के साथ ही गंगा के कटान क्षेत्र में बांध का काम करता था। ये नदियां अपनी मिट्टी को गंगा के कटाव वाले क्षेत्रों में भरकर उसे स्थिरता प्रदान करती हैं। इनको बेहतर करने से गंगा निर्मलीकरण योजना पूरी होगी।नगर निगम की सीमा 160 वर्ग किलोमीटर के लिए पर्याप्त नहीं एसटीपा नगर निगम की सीमा 160 वर्ग किलोमीटर है। यहां से निकलने वाले सीवर के लिए एसटीपी पर्याप्त नहीं है। आंकड़ों के अनुसार लगभग 22 लाख जनसंख्या के सापेक्ष वर्तमान सीवर ट्रीटमेंट के लिए सात एसटीपी काम कर रहे हैं। इनकी क्षमता 420 एमएलडी की है। इसके सापेक्ष 324 एमएलडी ही शोधन हो रहा है। शहर में डिस्चार्ज 522 एमएलडी सीवर की है। इसे देखते हुए भगवानपुर में 55 एमएलडी, सुजाबाद में 7 एमएलडी, लोहता में 55 एमएलडी, दीनापुर की क्षमता को 80 एमएलडी से बढ़ाकर 220 एमएलडी करने की योजना है।सीवर को रोकने लिए कई एसटीपी का निर्माण होना है। चुनाव बाद काम शुरू होगा। एसटीपी का निर्माण होने के बाद एक बूंद सीवर गंगा में नहीं जाएगा।

23 साल बाद अक्षय तृतीया पर नहीं गूंजेगी शहनाई, शुभ कार्यों पर भी लगा विराम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। शुक्र और गुरु अस्त होने के कारण शुभ कार्यों पर विराम लगा हुआ है। ऐसे में अक्षय तृतीया पर इस बार शहनाई नहीं गूंजेगी। तृतीया तिथि का लोप होने के कारण केवल सोना और वाहन खरीदने संयोग बन रहा है, जब अक्षय तृतीया के दिन विवाह या मांगलिक कार्यों का कारक शुक्र और गुरु तारा अस्त होने से इस दिन विवाह आदि का मुहूर्त नहीं बन रहा है। आचार्य दैवज्ञ कृष्ण शास्त्री ने बताया कि अक्षय तृतीया 10 मई को सुबह

मुहूर्त का है। अक्षय तृतीया पर 23 साल बाद न तो शहनाई गूंजेगी और ना ही कोई मांगलिक कार्य होंगे। अबूझ मुहूर्त होने के बाद भी शुक्र और गुरु के अस्त होने के कारण सभी मांगलिक कार्यों पर विराम लगा हुआ है। वहीं, तृतीया तिथि का लोप होने के कारण 14 दिनों का ही पक्ष रहेगा। सोना और वाहन खरीदने के लिए स्थिर लग्न में शुभ मुहूर्त मिल रहा है। अक्षय तृतीया पर विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन आदि शुभ-मांगलिक कार्यों को करने के लिए मुहूर्त की जरूरत नहीं होती है। लगभग 23 सालों के बाद ऐसा 05:31 बजे लग रही है और अगले दिन 4:35 बजे तक रहेगी। इसके पहले 2001 में अक्षय तृतीया पर गुरु और शुक्र अस्त हुए थे। इस बार 29 अप्रैल को रात 11:13 पर शुक्र अस्त हो चुके हैं और छह मई की रात 11:01 बजे गुरु अस्त हो जाएंगे। करीब 66 दिनों के लिए विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, उद्यापन आदि मांगलिक कार्य पर रोक लग जाएगी। इसके कारण मई और जून में विवाह के लिए मुहूर्त नहीं मिलेंगे। गुरु का उदय तीन जून को और शुक्र का उदय 28 जून को रात 07:52 मिनट बजे होगा।

राहुल गांधी ने बीएचयू के पूर्व छात्र से की बातचीत, पेपर लीक और अग्निविर को लेकर कही बड़ी बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। इस दौरान युवाओं के विभिनन सवालों का जवाब देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सरकारी विभागों में खाली 30 लाख सरकारी को राजनीति से दूर रखने की कोशिश है। उनकी सरकार आई तो चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने अगिन्वीर, प्रतियोगी परीक्षाओं और विश्वविद्यालयों के छात्रों से भरे

पदों को भरने, देश भर में जातिगत जनगणना कराकर हिस्सेदारी दी जाएगी।दिल्ली के जवाहर भवन में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से बीएचयू के एक छात्र ने सवाल पूछे। कहा कि क्या कारण है कि पिछले कुछ दिनों से विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव नहीं हो रहे हैं। इस पर राहुल ने कहा कि यह छात्रों हॉल में संवाद किया कहा कि अगिनविर योजना सेना को कमजोर कर रही है। उसे खत्म किया जाएगा। साथ ही पेपर लीक की समस्या का स्थाई निदान के लिए निजी संस्थानों को सौंपी गई जिम्मेदारी को सरकारी संस्थानों के जरिए कठोर कानून बनाकर हर प्रतियोगी परीक्षा के पेपर कराए जाएंगे।

चोरी के घटना के दो मुख्य आरोपीय गिरफ्तार असलहा बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रामगढ़। बीते दिनों दिनांक-2/3.05.2024 की रात्रि में वादी रामनरायन पुत्र रामप्यारे व बीरु भास्कर पुत्र अमरनाथ निवासीगण

ग्राम नरोखर थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र के घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों द्वारा चोरी किया गया था जिसके संबंध में वादी उपरोक्त द्वारा थाना रामपुर बरकोनिया पर दिये गये तहरीर के आधार पर थाना रामपुर बरकोनिया पर मु0अ0सं0- 27/2024 धारा 380, 457 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था । लोक सभा चुनाव-2024 के दृष्टिगत जनपद में चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने व चोरी की घटना का अनावरण कर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में व अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी सदर के निर्देशन में रामपुर बरकोनिया पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 04.05.2024 को मुखबिर की सूचना पर धंधरौल डैम के पास से घटना उपरोक्त में शामिल 02 नफर अभियुक्तों 01. विकाश उर्फ विक्की पुत्र बुच्चू कहार निवासी ग्राम कुसुम्हा थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 21 वर्ष, 02. सूरज पुत्र दीना कहार निवासी ग्राम कुसुम्हा थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 24 वर्ष को गिरफ्तार किया गया तथा इनके कब्जे से चोरी किया गया सामान व एक अदद तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर अभियोग उपरोक्त में धारा 411 भादवि का बढोतरी करते हुए मु0अ0सं0 28/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया । अग्रेतर विधिक कार्यवाही प्रचलित है। **गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण का विवरण-** 1- विकाश उर्फ विक्की पुत्र बुच्चू कहार निवासी ग्राम कुसुम्हा थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 21 वर्ष । 2- सूरज पुत्र दीना कहार निवासी ग्राम कुसुम्हा थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 24 वर्ष । **गिरफ्तारी के बाद बरामद सामग्री** 1- रुपये 5075/- नगद। 2- एक अदद मांगटिका सोने का। 3- एक अदद नथिया सोने का। 4- एक जोड़ी पायल चांदी का। 5- पांच जोड़ी बिछिया चांदी का। 6- एक अदद टाइटन घड़ी। 7- एक अदद की पैड मोबाइल। 8- एक अदद तमंचा व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर। **बरामदगी/गिरफ्तारी पुलिस टीम में** 1. प्र0नि0 मनोज कुमार सिंह थाना रामपुर बरकोनिया , उ0नि0 शिवकुमार पाण्डेय , हे0का0 मनोज कुमार सिंह हे0का0 नरेन्द्र सिंह , हे0का0 तबरेज खां ,म0का0 सोनम।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने के लिए बाल संरक्षण टीम अलर्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र ।में अक्षय तृतीया पर होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिये चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट कार्यालय विकास भवन मे कन्ट्रोल रूम किया गया स्थापित बाल विवाह प्रतिषेध

अधिकारी के निर्देश के क्रम में बाल विवाह रोकथाम हेतु बनाये गये कायर्योजना के अनुसार जनपद के विभिन्न स्थानों पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक व गायत्री दुबे द्वारा बताया गया कि 10 मई 2024 को अक्षय तृतीया है, इस दिन बड़ी संख्या में बाल विवाह होते हैं एवं अन्य शुभ लगने के साथ-साथ विशेष रूप से अक्षय तृतीया को निगरानी में रखना आवश्यक है, जिले में कहीं भी बाल विवाह न हो, इसके लिए जिलेवासियो से जिला प्रशासन का अनुरोध है कि विवाह पूर्व विवाह के लिए निर्धारित आयु का सत्यापन आवश्यक रूप से कर लेवे की लड़के की उम्र 21 साल और लड़की की उम्र 18 साल पूरी हो चुकी है। जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ आर डब्लूयू शेषमणि दुबे द्वारा बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाएं, आओ मिलकर इसे जड़ से मिटाएं। का आवाहन करते हुए बताया गया कि वित्तीय 2024-25 मे जनपद स्तर पर कुल 12 बाल विवाह रोके गये बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी महोदय के निर्देश के क्रम में चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट कार्यालय विकास भवन लोढी मे वाल विवाह रोकथाम हेतु कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी है ब्लाक स्तरीय नामित नोडल अधिकारी द्वारा क्षेत्र में निगरानी रखी जायेंगी साथ ही सभी नागरिकों से बाल संरक्षण टीम द्वारा अपील किया गया है कि लड़के की उम्र 21 साल और लड़की की उम्र 18 साल पूरी होने पर ही शादी करें। यदि किसी व्यक्ति को बाल विवाह की जानकारी प्राप्त होती है तो सम्बंधित सूचना ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी, क्षेत्रीय लेखपाल, थाना, बाल कल्याण समिति, विशेष किशोर पुलिस इकाई, या मो0 न0 8318953732 एवं चाईल्डलाईन टोल फ्री नंबर 1098 पर कॉल करके अविलंब सूचित करें, आपकी जानकारी की गोपनीयता बनाए रखी जाएगी जिससे नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जा सके। मौकेपर जिला बाल संरक्षण इकाई से आकांक्षा उपाध्याय, विपिन कुमार कनौजिया, चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से नीलू यादव, बजरंग सिंह, धर्मवीर सिंह, सीमा शर्मा,सुधा गिरि,अनील यादव,सत्यम् चौरसिया, अंशू गिरि, थाना मानव तस्करी रोधी इकाई टीम से प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव, धनञ्जय यादव मुख्य आरक्षी आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सचिव के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। 6 मई 2024 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व सांसद अविनाश पांडेय का आगमन दोपहर बाद 4:30 पर आर्शीवाद वाटिका ब्रह्म नगर में होना है राष्ट्रीय सचिव के आगमन को लेकर शहर कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है और उनके स्वागत की तैयारी में शहर कांग्रेस कमेटी के सभी कार्यकर्ता जुटे हुए हैं उक्त बातें शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजीव कुमार त्रिपाठी ने बताई त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय महासचिव के साथ राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी प्रदेश उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह प्रदेश महासचिव देवेंद्र प्रताप सिंह प्रदेश सचिव करमचंद बिंद के साथ चंदौली जनपद के कांग्रेस के नेता जनपद सोनभद्र के इंडिया एलायंस के नेताओं के साथ लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर रणनीतिक बैठक की जाएगी सोनभद्र के समस्त कांग्रेस जनों से अपील है कि अपने राष्ट्रीय महासचिव के स्वागत के लिए आर्शीवाद वाटिका ब्रह्म नगर पर पहुंचे ।

भरत लाल कन्नौजिया लोकसभा 80 व दुध्दी विधानसभा उपचुनाव के गो.ग.पा के प्रत्याशी घोषित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह पोया ने बताया कि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय अतःरविवार को जिला कार्यालय तेलगुडूवा रामकुमार करियाम कर्यालय सचिव के अवास पर जिलाध्यक्ष रामनरेश पोया के

अध्यक्ष0 तुलेश्वर सिंह मरकाम द्वारा भरत लाल कननैजिया/पुत्र पेनवासी - सिताराम कननैजिया निवासी-पनारी ओबरा गाँव जिला सोनभद्र को 80 लोक सभा रावट्सगंज क्षेत्र से उ.उ.झ् का प्रत्याशी घोषित किया गया है तथा दुध्दी विधानसभा उपचुनाव का प्रतयाशी दयाशंकर सिंह कोरचो / पुत्र तिरूमाल - नवकैलाश कोरचो ग्राम व पो. बघाडू को 403 आरक्षित जनजाति सीट से उ.उ.झ् का प्रत्याशी घोषित किया गया है। अध्यक्षता में बैठक करके संयुक्त रूप से कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह पोया जिला महा सचिव रामचंद्र टेकाम जिला संगठन सचिव हिरालाल मरपची जिला संगठन मंत्री रामचरित्र नेताम विधानसभा अध्यक्ष घोरावल अमर सिंह मरकाम जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा ज्ञानी सिंह पोया, दिनेश कुमार भारती, चंद्रशेखर शाहनी, विधानसभा संगठन मंत्री राम टेकाम, तथा पदाधिकारियों ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

प्रज्वल रेवन्ना सेक्स स्केंडल की गिरफ्तारी कर फाँसी हो निकाला केंडल जुलूस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष पूर्व विधायक

अल्का लाम्बा के निर्देश पर महिला कांग्रेस की प्रदेशअध्यक्ष शहला अहरारी के आह्वान पर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष ऊषा चौबे के नेतृत्व में जदएस सांसद , हासन लोकसभा सीट से बीजेपी जदएस उम्मीदवार प्रज्वल रेवनन सेक्स स्केंडल मामले में गिरफ्तारी और फाँसी की सजा देने की मांग को लेकर बढ़ौली से शाम 6 बजे कैंडल जुलूस निकालकर प्रधानमंत्री चुप्पी तोड़ो और स्मृति ईरानी के खिलाफ जमकर हल्ला बोला, इस दौरान सभा को संबोधित करती हुए महिला जिला अध्यक्ष ऊषा चौबे ने कहा कि बीजेपी सरकार मे महिलाएं सुरक्षित नहीं है, बेटी पढाओ बेटी बचाओ का नारा देने वाली बीजेपी के सहयोगी दल के सांसद ने सैकड़ों महिलाओं के साथ दरिंदगी की बीभत्स वीडियो सामने आई है, प्रज्वल रेवनन इस मामले में विदेश भाग गया हैं, प्रज्वल का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री एचडीदेव गौड़ा सहित क़ई बड़े नेताओं के साथ फोटो है। कर्नाटक के सैकड़ो महिलाओ के साथ बीजेपी गठबंधन के प्रत्याशी के वीडियो सार्वजनिक होने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी मौन है। बीजेपी सरकार में महिलाएं सुरक्षित नही है। आये दिन महिलाओ पर अत्याचार के मामले आते रहते है। श्रीमती उषा चौबे ने प्रज्वल रेवनन के गिरफ्तारी और फाँसी देने की मांग को लेकर बढ़ौली गांव से लेकर बढ़ौली चौराहे तक कैंडल मार्च कर बीजेपी सरकार को महिला सुरक्षा के मामले में जमकर घेरा, उक्त मौके पर सीता राव, तेतरी देवी , सीमा, दुर्गावती,फूलवंती, तेतरी,लक्ष्मीना,अनिता,ममता सहित क़ई लोग मौजूद रही।

बूथ पर जा करिहा मत दान हो भुलइहा नाहीं बाबू बहिन भैया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । सोनभद्र शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में रविवार सुबह मतदान

काव्य गोष्ठी सुबह आयोजित कर शत-प्रतिशत मतदान के लिए कविता के माध्यम से जनजागरण अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद सुभाष चन्द्र बोस शहीद-ए-आजम भगतसिंह की प्रतिमा के समक्ष किया गया।आयोजक प्रदुम्न त्रिपाठीएड ने बूथ पर जा करा मत दान हो भुलैहा नाहीं बाबू बहिन भैया सुनाकर प्रेरक संदेश दिया। अध्यक्षता करते हुए दिवाकर मेघ ने अपनी कविता,, लोकतंत्र से करना प्यार,,मत दान तेरा अधिकार,,इससे बनती है सरकार,,, शत-प्रतिशत मतदान कर यार।सुनाकर वाहवाही बटोरी। अशोक तिवारी संचालक ने, किसी मुगालते बहकावे में ना आना।सुबह उठते ही पोलिंग बूथ पर जाना,सौ पर्सेंट मतदान जरूरी, स्वच्छ छवि प्रत्याशी पर बटन दबाना सुनाया। कवयित्री कौशल्या चौहान ने, एक वोट से हार जीत है, लोकतंत्र से तेरी प्रीत है,हर काम छोड़ पहले मतदान,फिर करना आकर जलपान। सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर मतदान हेतु प्रेरित किया।कवि धर्मेश चौहान एड ने,, कर्तव्य पूर्ण कर शत-प्रतिशत मतदान। लोकतंत्र है कह रहा जय जय हिंदुस्तान। सुनाकर गतिज ऊर्जा दी। युवा गीतकार दिलीप सिंह दीपक ने,,मत अपने को दान करो महादान मतदान करो सुनाकर माहौल दिये। राष्ट्र वाद के सजग प्रहरी प्रभात सिंह चंदेल ने,,मांगती वसुंधरा हित राष्ट्र तेरे हो कदम,, मतदान शत-प्रतिशत बढ़े रुके न ए चरण,, सुनाकर वीर रस का जज्बा जगाया। हास्य व्यंग कवि जयराम सोनी ने,,,घर मां बैठि पांच सेर खाबा,,,,वोट देवइ काहे ना जाबा,,बनी न खाना वोट दिआई। बूथ से आके खाना खवाई सुनाकर खूब हंसाया। दयानंद दयालू ने,,कहति बा सोने के चिरैया भुलैहा न भैया बूथ पर जा मतदान करिहा,,,,काफी सराही गई। आभार आयोजक प्रदुम्न त्रिपाठीएड निदेशक शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र ने व्यक्त किया।इस अवसर पर रामयश तिवारी फारुख अली हाशमी ठाकुर कुशवाहा रिषभ शिवमोचन शिखा मृत्युंजय ममता समता आद्या गनेश समेत सैकड़ों श्रोतागण सुबह चाय पर आमंत्रित रहे।

थाना चुनार पुलिस द्वारा अनुमानित कीमत 20 लाख की हेरोइन के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । पुलिस अधीक्षक मीरजापुर 'अभिनन्दन' द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024

को सकुशल सम्पनन कराने तथा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः05.05.2024 को उप-निरीक्षक नरेन्द्र कुमार यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना चुनार क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार 02 नफर अभियुक्तों 1.धीरज जायसवाल पुत्र जगतनारायण जायसवाल निवासी सरैया सिकन्दरपुर थाना चुनार जनपद मीरजापुर व 2.भोनू पाण्डेय पुत्र संतोष कुमार पाण्डेय निवासी सोनपुर थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 200 ग्राम हेरोइन(अनुमानित कीमत ? 20 लाख) बरामद हुई । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना चुनार पर मु0अ0सं0-159/2024 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया तथा मौके से बरामद मोटरसाइकिल वाहन संख्याः ळइ6ंउ4687 का वैध कागजात न प्रस्तुत करने पर अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया ।

दर्शन करने जा रहा बाइक सवार पेड़ से टकराया, मौत, दूसरा घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
जिगना। मिर्जापुर-प्रयागराज मार्ग पर रविवार को सुबह विंध्याचल थाना क्षेत्र अकोढ़ी गांव स्थित चौरा माता मंदिर के पास बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एंबुलेंस से विंध्याचल सीएचसी पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने पर वहां से ट्रॉमा सेंटर मिर्जापुर रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई।देहात कोतवाली क्षेत्र के नकहरा गांव निवासी कल्लू गुप्ता (54) रविवार को सुबह अपनी रिश्तेदारी में लालगंज थाना क्षेत्र के गंगहरा कला गांव गए थे। वहां रिश्तेदार राम निवास (50) के साथ बाइक से विंध्याचल दर्शन करने गैपुरा से होकर जा रहे थे। बाइक राम निवास चला रहे थे। रास्ते में मिर्जापुर-प्रयागराज मार्ग पर विंध्याचल थाना क्षेत्र के अकोढ़ी स्थित चौरा माता मंदिर के पास बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से विंध्याचल सीएचसी पहुंचाया गया। वहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने ट्रॉमा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान कल्लू गुप्ता की मौत हो गई। थानाध्यक्ष दयाशंकर ओझा ने बताया कि बाइक पेड़ में टकराने से एक व्यक्ति की उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मारपीट की घटनाओं में 11 घायल, सात का चालान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
जिगना। थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में शनिवार की रात और रविवार को सुबह हुई मारपीट की घटनाओं में 11 लोग घायल हो गए। इनमें से चार लोगों को मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार कर चालान कर दिया।जिगना थाना क्षेत्र के लालापुर गांव में पुरानी रंजिश में शनिवार को शाम को दो पक्ष में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। मारपीट की इस घटना में योगेंद्र (33), सीमा देवी (30), निर्जला देवी (29), छोटेलाल (65), कोतला देवी (63) घायल हो गई। उधर, बिहसड़ा कला के मुराजपुर में रात 11 बजे सरिता देवी की मड़ई जलाने के विवाद में मारपीट हो गई। मारपीट की इस घटना में एक पक्ष की सरिता देवी (38), दीपक कुमार (32) तथा दूसरे पक्ष के पवन कुमार (36), शनि (17) घायल हो गए। उधर, रविवार को सुबह करीब छह बजे बभनी गांव में पुरानी रंजिश में मारपीट हो गई। इसमें एक पक्ष के बृजेश कुमार (25) तथा दूसरे पक्ष के रोहित (28) घायल हो गए। बीते शुक्रवार को सुभाष चंद्र (61) को भी मारपीटकर घायल किया गया था। थानाध्यक्ष शैलेश कुमार राय ने बताया कि मारपीट के मामलों में घायलों का उपचार कराया गया। सात लोगों को गिरफ्तार कर चालान किया गया है।

सात से 17 मई तक रहेगा रूट डायवर्जन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों के नामांकन में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की तरफ से सात से 17 मई तक रूट डायवर्जन की घोषणा की गई है। इसके तहत आबकारी तिराहे से शैलेश तिराहे के बीच सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पर रोक रहेगी। रूट डायवर्जन सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक रहेगा। आवश्यकतानुसार शाम को रूट डायवर्जन का समय बढ़ाया भी जा सकता है।यातायात प्रभारी विपिन पांडेय ने बताया कि डायवर्जन वाले समय में वाहन जिला जिला अस्पताल, शैलेश तिराहा, पेट्रोल पंप तिराहा (कचहरी चौकी), आबकारी तिराहा, रमई पट्टी, पुलिस लाइन होते हुए जाएंगे। नामांकन में आने वाले सभी वाहन सिटी क्लब में खड़े कराए जाएंगे। वाहनों की संख्या ज्यादा होने पर पुलिस लाइन गेट तथा मोर्चाघर के पास खड़े कराए जाएंगे। रमईपट्टी तिराहा, कलेक्ट्रेट तथा कचहरी के आस-पास वाहनों की अधिकता होने पर आवश्यकतानुसार सभी वाहन तहसील चौराहे से गिरधर चौराहे तथा तरकापुर मोड़ से संकटमोचन की तरफ को डायवर्ट किए जाएंगे। उन्होंने अपील की कि लोग नामांकन के दौरान कलेक्ट्रेट के आस-पास अधिक ट्रैफिक होने को देखते हुए रमईपट्टी तिराहा, आबकारी तिराहा, कचहरी चौकी, शैलेश तिराहा, जिला अस्पताल, कलेक्ट्रेट के पास अनावश्यक आवागमन से बचें।

स्कूल बस में की तोड़फोड़, छह पर केस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के जैत गांव में हेरोइन तस्करी के कई मामलों के आरोपियों ने गांव के ही एक व्यक्ति की पिटाई की और वहीं खड़ी स्कूल बस में तोड़फोड़ की। घटना दो मई की रात की बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है।पुलिस को दी गई तहरीर में जैत गांव निवासी बाबूलाल ने बताया कि वह अपने पुत्र के साथ दो मई की रात घर पर था। रात दस बजे गांव के ही शैलेश उर्फ गोपी, विमल उर्फ गोपाल, प्रतीक उर्फ बंटी, कमलेश उर्फ बागी, राजा, राजा बाबू ने उसके घर पर चढ़कर मारपीट की और वहीं खड़ी स्कूल बस में तोड़फोड़ की। पास में खड़ी बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

एक ही रात में सियार ने छह गांवों में बोला हमला, 10 घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
पटेहरा। संतनगर थाना क्षेत्र में एक ही रात में सियार ने छह गांवों में हमला बोलकर 10 लोगों को घायल कर दिया। सियार के हमले में घायल लोगों ने रविवार को सुबह पीएचसी पहुंचकर उपचार कराया। सियार के हमले से ग्रामीणों में दहशत है। सियार के हमले में ककरद निवासी राम सजीवन (25), नंद कुमार (30), नम्रता (13), लालापुर निवासी राधिका (12), धनेश्वरी (45), पथरौर निवासी नितिन (13), गोहिया कला निवासी ललई यादव (42), राजेश कुमार (24), देवरी कटैया निवासी रामगोविंद (32), पिउरी निवासी बनवारी (69) घायल हो गए। सभी लोग गांव में अपने-अपने घर में शनिवार की रात सोए हुए थे। उधर, प्यास से बेहाल जंगली सियार पानी की खोज में गांव-गांव भटक रहा था। सियार किसी के दरवाजे तो किसी के आंगन में घुस जा रहा था। उस दौरान जो भी सामने आया, सियार ने उस पर हमला कर घायल कर दिया। लालापुर निवासी राधिका ने बताया कि शनिवार की रात वे घर के आंगन में परिवार के सदस्यों के साथ सोई थीं। रात करीब 12 बजे सियार आंगन में रखा पानी पीने लगा। बर्तन की आवाज सुनकर नींद खुली तो कुत्ता समझकर भगाने पर सियार ने उन पर हमला कर दिया। शोर मचाने पर घर के अन्य सदस्य जगे तो उन्हें भी घर में दौड़ाकर घायल कर दिया। पीएचसी पटेहरा के डॉ. विभूति नारायण मिश्र ने बताया कि एक ही रात में छह गांवों के 10 लोगों को सियार ने काटा है। सभी को उपचार कर घर भेज दिया गया है।

सड़क निर्माण अधूरा छोड़े जाने पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
ड्रमंडगंज। मड़वा धनावल गांव की दलित बस्ती में सड़क निर्माण अधूरा छोड़ दिए जाने से नाराज लोगों ने रविवार को प्रदर्शन किया।प्रदर्शन में शामिल तौलन, प्रभावती, सूरज, झल्लुर, अवधेश, रीना, सर्वेश आदि का कहना था कि दो महीने पहले ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण के लिए गिट्टी और भस्सी डालकर छोड़ दिया गया था। मार्ग पर गिट्टी फैलने के चलते राहगीर आए दिन गिरकर घायल हो रहे हैं। जिला पंचायत सदस्य राकेश पुंज ने बताया कि भटपुरवा गांव से जुड़ने वाले इस मार्ग पर 220 मीटर बची सड़क के निर्माण के लिए जिला पंचायत निधि से धनराशि जारी कर दी गई है। ठेकेदार की लापरवाही के चलते अभी तक सड़क निर्माण पूरा नहीं हो सका है। जिला पंचायत के अभियंता शोभा राम वर्मा ने बताया कि मामले की जांच कर संबंधित ठेकेदार के माध्यम से सड़क निर्माण जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा।

मुंबई इंडियंस अब सनराइजर्स हैदराबाद का खेल बिगाड़ने उतरेगी, प्लेऑफ के कारण मैच बेहद रोमांचक होने की उम्मीद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस के लिए सोमवार को जब वानखेड़े स्टेडियम में उतरेगी तो उसकी नजरें जीत दर्ज करने के साथ ही सनराइजर्स हैदराबाद का खेल खराब करने पर होंगी। मुंबई की टीम 11 मैचों में आठ मैच हारकर 10वें पायदान पर है, लेकिन सनराइजर्स अभी 10 मैचों में छह जीत के साथ पांचवें स्थान पर है और अगर वह ये मुकाबला हार जाती है तो उसके लिए प्लेऑफ की राह थोड़ी कठिन हो जाएगी। मुंबई इंडियंस की टीम प?लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है और सोमवार को वो सनराइजर्स हैदराबाद का खेल बिगाड़ना चाहेगी। हैदराबाद के पास प?लेऑफ में पहुंचने का मौका है लेकिन मुंबई के होमग्राउंड वानखेड़े स?टेडियम पर उसके लिए जीत दर्ज करना आसान नहीं होगा। हैदराबाद प?वाइंट्स टेबल में पांचवें जबकि मुंबई इंडियंस आखिरी यानी 10वें स?थान पर है। इसके बाद उसे बचे तीन मैचों में से कम से दो मैच जीतने होंगे। इसके साथ ही मुंबई के पास पिछले मुकाबले में हैदराबाद के हाथों मिली हार का हिसाब चुकता करने का अवसर होगा। वानखेड़े की पिच अगर बल्लेबाजी के अनुकूल होती है तो सनराइजर्स के बल्लेबाजों के एक बार फिर बड़ा स्कोर खड़ा करने की उम्मीद है जो वे मौजूदा सत्र में कई बार कर चुके

हैं। यहां की पिचें आम तौर पर बल्लेबाजी के अनुकूल होती हैं और छोटी बाउंड्री के कारण 200 से अधिक का स्कोर बनना आम बात है। पिछले शुक्रवार को हालांकि मुंबई और नाइटराइडर्स के बीच धीमी पिच पर मुकाबला हुआ जिसमें बल्लेबाजों को जूझना पड़ा। सनराइजर्स की टीम पिछले मैच में शीर्ष पर चल रहे रॉयल्स को एक रन से हराकर आत्मविश्वास से भरी होगी। शनिवार रात आरसीबी की गुजरात टाइटंस पर जीत के साथ पांच बार की विजेता मुंबई की टीम एक बार फिर तालिका में सबसे नीचे खिसक गई। हालांकि सब कुछ खत्म नहीं हुआ है क्योंकि आगामी टी-20 विश्व कप के लिए मुंबई के प्रमुख भारतीय खिलाड़ी रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या अपने व्यक्तिगत फार्म पर ध्यान देंगे। रोहित की हर हाल में आक्रामक होकर बल्लेबाजी करने की रणनीति काफी सफल नहीं रही है जबकि दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार की नजरें नाइटराइडर्स के विरुद्ध अर्धशतक के बाद प्रदर्शन में निरंतरता पर टिकी होंगी। भारतीय उपकप्तान पांड्या को बल्ले और गेंद दोनों के साथ अपनी सामान्य फार्म तथा मुंबई के कप्तान के रूप में मैदान पर अपने निणर्यों के कारण लगातार आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

एक गलती अब लखनऊ को पड़ सकती है भारी', मैच के बाद हताश केएल राहुल ने कही बड़ी बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के 53वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से हुआ। केकेआर ने एलएसजी को 98 रन से

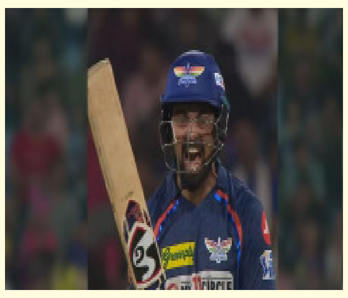

शिकस्त दी। केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 235 रन बनाए थे। इसके जवाब में लखनऊ 16.1 ओवर में 137 रन बनाकर सिमट गई। यह रनों के लिहाज से लखनऊ की अब तक की सबसे बड़ी हार है। इस बड़ी हार ने लखनऊ का नेट रन रेट नेगेटिव में ला खड़ा कर दिया है। जिसके चलते आगे एक भी गलती लखनऊ के प्लेऑफ के सपने को चकनाचूर भी कर सकती है। कोलकाता को इस जीत ने अंक तालिका में उसे शीर्ष पर पहुंचा दिया है। हार के बाद लखनऊ के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा है। वहीं, केकेआर ने अपनी दावेदारी और मजबूत कर ली है। लखनऊ के इकाना में खेले गए मैच में केकेआर की तरफ से सुनील नारायण ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल निराश दिखे। केएल राहुल ने कहा, दूसरी पारी में हमारे सामने बड़ा लक्ष्य था। बल्ले, गेंद और फील्डिंग में हमने बेहद खराब प्रदर्शन किया। हमारा प्रदर्शन आज उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। विकेट अच्छी थी, पिच इतनी खराब नहीं थी, लेकिन लक्ष्य 20-30 रन अधिक था। हमें यहां की परिस्थितियों की अच्छी समझ है। राहुल ने आगे कहा, हम अपनी योजनाओं को अमलीजामा नहीं पहुंचा पाए। ड्रेसिंग रूम में जाने के बाद हम इस स्थिति से निकलने की कोशिश करेंगे। यह हमारा अन्तिम होम मैच था, प्लेऑफ में जाने के लिए हमें अब बाकी तीनों मैच जीतने होंगे, लेकिन इससे हमें खुलकर खेलने की आजादी भी मिलेगी। बता दें कि यह रनों के लिहाज से लखनऊ की अब तक की सबसे बड़ी हार है। इस बड़ी हार ने लखनऊ का नेट रन रेट नेगेटिव में कर दिया है। लखनऊ को तीन मैच और खेलने हैं, एक मैच में भी की गई चूक अब टीम को भारी पड़ सकती है।

सैंपल देने से कभी मना नहीं किया सस्पेंड होने के बाद सामने आया बजरंग पूनिया का पहला रिएक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नाडा द्वारा सस्पेंड किए जाने के बाद बजरंग पूनिया का पहला रिएक्शन सामने आया है। बजरंग का कहना है कि उन्होंने

नाडा को सैंपल देने से कभी भी इनकार नहीं किया। भारतीय स्टार रेसलर ने कहा कि समय रहते हुए उनके वकील इस बात का जवाब देंगे। नाडा ने बजरंग को डोप टेस्ट के सैंपल नहीं देने की वजह से सस्पेंड कर दिया है। बजरंग के पेरिस ओलंपिक में खेलने पर भी खतरा मंडराने लगा है। बजरंग ने 10 मार्च को सोनीपत में हुए ट्रायल्स के दौरान यूरिन सैंपल नहीं दिया था जिसके चलते नाडा ने उनको सस्पेंड करने का फैसला लिया है। सस्पेंड होने के चलते बजरंग इस मामले की सुनवाई नहीं होने तक किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे। यानी बजरंग पूनिया पेरिस ओलंपिक में हिस्सा ले पाएंगे या नहीं यह कहना अब काफी मुश्किल हो गया है। बजरंग पूनिया ने अपने एक्स अकाउंट पर नाडा द्वारा सस्पेंड किए जाने के बाद लिखा, ठमैं मेरे से डोप टेस्ट लेने की खबर को क्लियर कर देना चाहता हूं। मैंने नाडा के अधिकारियों को सैंपल देने से कभी भी मना नहीं किया। मैंने उनसे निवेदन किया था कि पहले वो मुझे बताएं कि उन्होंने मेरे सैंपल लेने के लिए लेकर आई गई एक्सपायरी किट के खिलाफ क्या एक्शन लिया। इसके बाद ही वह मेरा डोप टेस्ट लें। मेरे वकील विदुष सिंघानिया इस लेटर का समय रहते हुए जवाब देंगे। दरअसल, एएनआई की खबर के अनुसार, बजरंग ने 10 मार्च को सोनीपत में हुए ट्रायल्स के दौरान यूरिन सैंपल नहीं दिया था, जिसके चलते नाडा ने उनको सस्पेंड करने का फैसला लिया है। सस्पेंड होने के चलते बजरंग इस मामले की सुनवाई नहीं होने तक किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे। यानी बजरंग पूनिया पेरिस ओलंपिक में हिस्सा ले पाएंगे या नहीं, यह कहना अब काफी मुश्किल हो गया है। नाडा द्वारा लगाए गए बैन के चलते बजरंग पूनिया पेरिस ओलंपिक के लिए होने वाले सेलेक्शन ट्रायल्स में हिस्सा भी नहीं ले पाएंगे। यह ट्रायल्स इसी महीने के अंत में होने हैं। 65 किलोग्राम की कैटेगिरी में कोई भी भारतीय रेसलर अब तक ओलंपिक का टिकट हासिल नहीं कर सका है। बता दें कि टोक्यो ओलंपिक में बजरंग ने देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था।

केएल राहुल ने पकड़ा श्रेयस अय्यर का शानदार कैच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल ने रविवार, 5 मई को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में केकेआर के खिलाफ एक अद्भुत कैच पकड़ा। केएल राहुल ने विकेट के पीछे हवा में छलांग लगाकर एक हाथ से केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर का कैच लपका। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर को आउट अंतिम ओवर के दौरान केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर ने फाइन लेग की तरफ शॉर्ट खेलकर रन बनाने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान गेंद श्रेयस के ग्लव्स पर लगकर विकेट के पीछे चली गई। केएल राहुल ने अपनी बाईं ओवर हवा में छलांग लगाई और बाएं हाथ से एक सनसनीखेज कैच लपका। राहुल के कैच पड़ने पर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने हैरानी

करने के लिए केएल राहुल ने अपनी बाईं ओवर हवा में छलांग लगाई और बाएं हाथ से एक सनसनीखेज कैच लपका। राहुल के कैच पड़ने पर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने हैरानी से खूब तालियां बजाई। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। यश ठाकुर ने भी खास अंदाज में जश्न मनाया। यश ठाकुर द्वारा फेंके गए केकेआर की पारी के से खूब तालियां बजाई। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। कैच के बाद यश ठाकुर ने भी खास अंदाज में जश्न मनाया। यश ने दोनों हाथ जोड़े और इस अद्भुत कैच के लि काप्तान केएल राहुल को धन्यवाद दिया। श्रेयस अय्यर ने 15 गेंद पर 23 रन की पारी खेली। केकेआर यह मुकाबला 98 रन से जीता।

कोलकाता नाइटराइडर्स की जीत के बाद प्वाइंट्स टेबल में हुआ बड़ा बदलाव, ऐसा है बाकी टीमों का हाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स ने रविवार को आईपीएल 2024 के जो एक स्थान के नुकसान के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई है। राजस्थान ने 10 मैचों में 8 मैच और पंजाब किंग्स क्रमशः छठे, सातवें व आठवें स्थान पर काबिज हैं। गुजरात टाइटंस और मुंबई

54वें मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स को 98 रन के विशाल अंतर से मात दी और प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान हासिल किया। केकेआर ने इसी के साथ राजस्थान रॉयल्स की बादशाहत को खत्म किया। केकेआर की 11 मैचों में यह आठवीं जीत रही। कोलकाता नाइटराइडर्स ने रविवार को आईपीएल 2024 के 54वें मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स को 98 रन के विशाल अंतर से मात दी और प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान हासिल किया। राजस्थान रॉयल्स की लंबे समय से चली आ रही बादशाहत को झटका लगा और वो दूसरे स्थान पर खिसक गई है। आईपीएल 2024 की प्वाइंट्स टेबल में अन्य टीमों का हाल ऐसा है। केकेआर की जीत से राजस्थान रॉयल्स की बादशाहत खत्म हुई, जीते हैं। संजू सैमसन के नेतृत्व वाली राजस्थान मंगलवार को जब दिल्ली के खिलाफ मैदान संभालेगी तो उसके पास शीर्ष पर पहुंचने का मौका होगा। चेन्नई सुपरकिंग्स ने रविवार को पंजाब किंग्स को 38 रन से मात दी और वो तीसरे स्थान पर बरकरार है। वहीं, लखनऊ सुपरजायंट्स को केकेआर के हाथों मिली विशाल शिकस्त का खामियाजा भुगतना पड़ा और वो टॉप-4 से बाहर हो गई है। केएल राहुल के नेतृत्व वाली लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम पांचवें स्थान पर है। एलएसजी की हार का फायदा सनराइजर्स हैदराबाद को मिला, जो चौथे स्थान पर पहुंच गई है। हैदराबाद ने अब तक 10 मैचों में 6 जीत दर्ज की है। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, आरसीबी इंडियंस क्रमशः 9वें और 10वें स्थान पर काबिज है।आईपीएल 2024 में सोमवार को मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला खेला जाएगा। मुंबई इंडियंस की टीम प?लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है और उसकी कोशिश सनराइजर्स हैदराबाद का खेल बिगाड़ने की होगी। हैदराबाद अगर मुंबई से मुकाबला हारा तो उसे अपने अगले तीन मैचों में कम से कम दो जीत की जरुरत रहेगी। आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में जगह पाने की रेस रोमांचक हो रही है और यही वजह है कि प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण बनते जा रहा है। आने वाले मैचों में समीकरण में उतार-चढ़ाव काफी देखने को मिल सकते हैं।

6,6,6,4,4 छइकाना में छाए सुनील नरेन 14 साल के अपने आईपीएल करियर में पहली बार किया ये बड़ा कारनामा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के ओपनर सुनील नरेन का हिट शो जारी है। लखनऊ के खिलाफ खेले जा रहे मैच में सुनील नरेन ने एक बार फिर केकेआर को तेज शुरुआत दिलाई। नरेन ने 27 गेंदों मारी यह उनका मौजूदा सीजन का तीसरा अर्धशतक और आईपीएल करियर का 7वां अर्धशतक रहा। नरेन ने इकाना स्टेडियम में लखनऊ के गेंदबाजों की जमकर खबर ली और इस दौरान उन्होंने ऑरेंज कैप की रेस में टॉप-5 में अपनी जगह बना ली। सुनील ने अर्धशतकीय परफॉर्मेंस किया। सुनील नरेन ने लखनऊ के खिलाफ 81 रन की पारी खेली और मौजूदा सीजन में अपने 400 रन भी पूरे किए। सुनील ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे स्थान पर 452 रन के साथ मौजूद हैं। इसके साथ ही नरेन ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। नरेन

में 6 चौके और 3 छक्कों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के ओपनर सुनील नरेन का बल्ला जमकर गरज रहा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सुनील शतक जड़ने से भले ही चूके लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से हर किसी का दिल जीत लिया। सुनील ने मौजूदा सीजन में अपना तीसरा अर्धशतक जमाया और टीम को ये स्कोर खड़ा करने में मदद दी। सुनील ने फिफ्टी जड़ने के बाद एक स्पेशल क्लब में एंट्री पारी खेलने के साथ ही एक स्पेशल क्लब में एंट्री भी मारी दरअसल, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सुनील नरेन ने शानदार बैटिंग करते हुए 81 रन की आतिशी पारी खेली। आईपीएल 2024 में सुनील नरेन को केकेआर के मेंटर ने ओपनिंग करवाने का फैसला लिया, जो कि अभी तक टीम के काफी फायदे में रहा। नरेन क बल्ला आईपीएल 2024 में जमकर गरज रहा है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में शतक ठोकने के बाद नरेन ने लखनऊ के खिलाफ भी बल्ले से कमाल का आईपीएल के किसी एक सीजन में 400 रन बनाने के साथ ही 10 विकेट लेने वाले 7वें खिलाड़ी बने। वहीं, आईपीएल के किसी एकसीजन में सुनील 450 पल्स रन और 10 विकेट लेने वाले चौथे खिलाड़ी बने। सुनील नरेन ने आईपीएल में डेब्यू साल 2012 में किया था और अब तक सुनील नरेन किसी एक आईपीएल सीजन में बैटिंग करते हुए 450 रन का स्कोर नहीं बना सके थे, लेकिन 14 साल बाद अपने आईपीएल करियर में उन्होंने ये कारनामा कर दिखाया।

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

सप्ताह आत्म संवत रहने आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।

नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

पाकिस्तान टीम का अता-पता नहीं, खिताब जीते तो प्रत्येक खिलाड़ी को मिलेगी इतनी नकद पुरस्कार राशि

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अब तक टीम की घोषणा नहीं की, परंतु पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने टी-20 विश्व कप जीतने पर प्रत्येक खिलाड़ी को 83.38 लाख रुपये (1,00,000 अमेरिकी डालर) नकद पुरस्कार देने की घोषणा कर दी। इस साल टी20 वल्ड कप का आयोजन वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में 1 जून से होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अब तक टीम की तो घोषणा नहीं की लेकिन पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने टी-20 विश्व कप जीतने पर प्रत्येक खिलाड़ी को नकद पुरस्कार देने की घोषणा कर दी। बाबर आजम के नेतृत्व में पाकिस्तान टीम टी20 वल्ड कप में हिस्सा लेगी। जून में विश्व कप से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम को आयरलैंड और इंग्लैंड का दौरा करना है। विश्व कप की तैयारियों के लिए पाकिस्तान इन दोनों देशों

के विरुद्ध टी-20 सीरीज खेलेगी। आगामी दौरे से पूर्व लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में आयोजित लंच समारोह में पीसीबी प्रमुख ने पुरस्कार की घोषणा की। बाबर आजम की अगुआई में पाकिस्तान टीम को आयरलैंड के विरुद्ध 10 से 14 मई के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद टीम इंग्लैंड का दौरा करेगी, जहां उन्हें 22 मई से होने वाले चार मैचों की टी-20 सीरीज में भाग लेना है। स्थानीय मीडिया के अनुसार नकवी ने लाहौर में आयोजित कार्यक्रम में खिलड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा, ''किसी के बारे में चिंता मत कीजिए। केवल पाकिस्तान के लिए खेलिए और सभी एक-दूसरे के साथ खड़े रहें और टीमवर्क दिखाएं जीत आपकी ही होगी। देश को आपसे बहुत आशाएं हैं। हमें आशा है कि इस बार आप पाकिस्तान का ध्वज लहराकर आएंगे।''इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मोहम्मद रिजवान और नसीम शाह को विशेष जर्सी भी भेंट की। रिजवान को टी-20 क्रिकेट में 3000 रन बनाने और नसीम को सबसे छोटे प्रारूप में 100 विकेट पूरे करने के लिए सम्मानित किया गया। इसी सप्ताह पाकिस्तान ने आयरलैंड और इंग्लैंड में होने वाली टी-20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा की, परंतु अब तक उन्होंने विश्व कप टीम की घोषणा नहीं की है।

सम्पादकीय

अब मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने में देरी पर सियासी घमासान

विपक्ष को शक है कि चुनाव आयोग ने ये आंकड़े जानबूझकर देरी से जारी किए। खासकर 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद। इसके पीछे कहीं कोई 'खेला' तो नहीं है? जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि समूचे आंकड़े कंपाइल करने में वक्त लगता है, इसलिए अंतिम आंकड़े जारी करने में कुछ देरी हुई। यहां बात केवल अंतिम आंकड़ों की नहीं है। अगर कण-कण में भगवान है तो मानिए कि इस देश के जर्रे-जर्रे में सियासत समा गई है। अब चुनाव कार्यक्रम, चुनव प्रक्रिया, चुनाव नतीजे के साथ-साथ चरणवार मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने पर भी सियासी घमासान मचा है। गोया यह पूरा चुनाव ही शक शुबहों की सुरंग से होकर गुजर रहा है। विपक्ष को हर बात में खोट दिख रही है तो सत्ता पक्ष सब कुछ स्वाभाविक मानकर मुग्ध है। विपक्ष को शक है कि चुनाव आयोग ने ये आंकड़े जानबूझकर देरी से जारी किए। खासकर 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद। इसके पीछे कहीं कोई 'खेला' तो नहीं है? जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि समूचे आंकड़े कंपाइल करने में वक्त लगता है, इसलिए अंतिम आंकड़े जारी करने में कुछ देरी हुई। यहां बात केवल अंतिम आंकड़ों की नहीं है। जो आंकड़े सामने आए हैं, वो चुनाव के दो चरणों के दौरान कम मतदान के नरेटिव को झटका देने वाले हैं।

शुरूआती आंकड़ों में यह संदेश छुपा था कि दोनो चरणों में 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में 3 से 7 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन चुनाव आयोग ने पहले चरण के डेढ़ हफ्ते बाद जो आंकड़े बताए, उससे पहले चरण में 102 संसदीय सीटों पर 66.14 प्रतिशत और दूसरे चरण में 88 सीटों पर 66.71 प्रतिशत वोट पड़े। जबकि चुनाव आयोग ने पहले चरण के मतदान के आरंभिक आंकड़े औसतन 60 प्रतिशत तथा दूसरे चरण में 60.96 प्रतिशत बताए थे।अगर इसकी तुलना 2019 के लोकसभा चुनाव के प्रथम व द्वितीय चरण के मतदान प्रतिशत से की जाए तो वोटिंग में यह कमी क्रमशः 4 और 3 फीसदी की होती है। अगर पिछले लोस चुनाव के कुल औसत मतदान 67 फीसदी से इसकी तुलना करें तो कुल मतदान में घटत उतनी ज्यादा नहीं है, जितनी कि मानी जा रही थी। फिर भी मतदान घटा तो है, जिससे चुनाव नतीजे काफी बदल सकते हैं और कई जगह हार- जीत का अंतर भी बहुत कम रह सकता है। मतदान के आरंभिक आंकड़ों ने राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ा दी थी। माना जा रहा था कि तमाम कोशिशों के बाद भी वोटर घर से नहीं निकल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक इस बात का गुणा-भाग लगा रहे थे कि कम मतदान किसको जीत की ट्रॉफी दिलाएगा। इसके लिए तरह-तरह के आंकड़े और डाटा एनालिसिस पेश किया जा रहा था। मोटे तौर पर संदेश यही था कि कम मतदान सत्तारूढ़ भाजपा और एनडीए के लिए जोखिम भरा है। यह बताने की भी कोशिश हुई कि चुनाव में खासकर भाजपा का वोटर अपेक्षित संख्या में नहीं निकल रहा। ऐसे में देश में 2004 के लोकसभा चुनाव जैसी स्थिति बन सकती है, जब मतदान अपने पूर्ववर्ती 1999 के लोस चुनाव की तुलना में 1.9 फीसदी कम रहा था और सत्तारूढ़ अटलजी की सरकार सत्ता से बेदखल हो गई थी तथा नेतृत्व विहीन यूपीए गठबंधन सत्ता में आ गया था। 2009 के लोस चुनाव में भी औसत मतदान 58.21 प्रतिशत रहा और यूपीए 2 फिर सत्ता में लौटा। लेकिन 2014 ने वोटिंग ट्रेंड ने गीयर बदला। अगले दो लोकसभा चुनाव में यह 8 से 10 फीसदी तक बढ़ा और मोदी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में रही है। विपक्ष के लिए झटका यह है कि पहले चरण के जो आंकड़े शुरू में बताए गए थे, उनमें 6 फीसदी से ज्यादा का अंतर है। यानी इतना मतदान बढ़ा है। ये आंकड़े 2019 के लोस चुनाव के पहले दो चरणों के औसत आंकड़ों के आसपास ही हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि मतदान कम जरूर हुआ है, लेकिन इतना कम भी नहीं हुआ है कि विपक्ष की बांछें खिल जाएं। अगर यही ट्रेंड अगले पांच चरणों में भी रहता है तो तय मानिए कि चुनाव नतीजे कमोबेश 2019 के जैसे ही हो सकते हैं।पहले दो चरणों के मतदान के अंतिम आंकड़ों से भाजपा ने कुछ राहत की सांस ली है, जबकि विपक्ष के मन में शक का कीड़ा और गहरा गया है। उसने चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगाते हुए दो प्रशन् उठाए हैं। पहला यह कि दोनों चरणों के अंतिम आंकड़े जारी करने में इतनी देरी के पीछे मंशा या मजबूरी क्या है दूसरे, कम बताया जा रहा मतदान अचानक 6 फीसदी तक कैसे बढ़ गया? यह सचमुच आंकड़ों के संग्रहण में देरी है या कुछ और? तीसरा यह कि आयोग केवल मतदान का प्रतिशत क्यों बता रहा है।

सौंदर्य के बाजार में उम्र की परवाह नहीं, गायब हुआ श्रमशील विमर्श

सौंदर्य उद्योग के बिचौलियों और सौंदर्य प्रसाधन कंपनियों ने स्त्रियों का नया नारा सिर्फ और सिर्फ सुंदर दिखना बना दिया है।पेशे से वकील और पत्रकार, साठ साल की एलेक्जेंड्रा रोड्रिग्स ने अर्जेंटीना का मिस यूनिवर्स ब्यूनस आयर्स खिताब जीता है। कहा जा रहा है कि उन्होंने ऐसा करके इतिहास रच दिया है। उनके साथ चौंतीस प्रतियोगी और भी थे, जिनकी उम्र 18 वर्ष से 73 वर्ष तक थी। यानी उन्होंने अपने से बहुत छोटी और बड़ी उम्र की महिलाओं को पछाड़कर अपनी जगह बनाई। अब रोड्रिग्स मिस यूनिवर्स युवा और सुंदर दिखें? इसके लिए वे क्या-क्या करें? इसी के लिए वे अपने उत्पाद बाजार में उतारते हैं। इन सौंदर्य के मानकों को महिलाओं के आत्मविश्वास और उनकी सफलता से जोड़ दिया गया है। आज पूरी दुनिया की महिलाएं सौंदर्य उद्योग की गिरफ्त में हैं। वे चाहकर भी इससे नहीं निकल सकतीं, क्योंकि हर स्त्री आत्मविश्वासी दिखना चाहती है। और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए क्या करना चाहिए, इसे सौंदर्य उत्पाद कंपनियों की मार्केटिंग रणनीति के जरिये उन्हें पल-पल बताया जाता तो तब होगा, जब किसी उत्पाद को हर उम्र की औरतें इस्तेमाल करें। इसलिए हर उम्र की औरतों को बताना जरूरी है कि तुम किसी से कम नहीं हो। तुम भी सुंदर और युवा दिख सकती हो। थोड़ी कोशिश तो करो-एज इज जस्ट ए नंबर (उम्र तो बस एक संख्या है)। बस जेब में पैसे होने चाहिए, तो देखो, क्या नहीं कर सकती हो!वास्तव में देखें, तो औरतों को सिर्फ उनकी चमकती और मुलायम त्वचा में तब्दील कर दिया गया है। किसी को भी बुद्धिमती स्त्री नहीं चाहिए। सवाल पूछने वाली तो हरगिज नहीं! बस

प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगी। यह एक तरह से सौंदर्य प्रतियोगिताओं का पैराडाइम शिफ्ट है। अब तक मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 18 से 28 साल की उम्र की महिलाएं ही जा सकती थीं। लेकिन 2023 में मिस यूनिवर्स संस्था ने घोषणा की कि अब इस प्रतियोगिता में अठारह साल से लेकर किसी भी उम्र की महिलाएं भाग ले सकेंगी। जब रोड्रिग्स से पूछा गया कि आखिर वह अपनी जीत का कारण क्या मानती हैं, तो उन्होंने कहा कि शायद निर्णायकों को मेरा आत्मविश्वास पसंद आया और मैं अपनी पीढ़ी की महिलाओं का प्रतिनिधित्व कर रही थी। उन्होंने कहा कि वह मिस यूनिवर्स क्राउन पाने की जी-तोड़ कोशिश करेंगी। यह पूछने पर कि 60 की उम्र में भी वह इतनी युवा कैसे दिखती हैं, उन्होंने कहा कि उनकी स्वस्थ जीवन शैली इसके लिए जिम्मेदार है। दिलचस्प बात यह है कि सारा का सारा सौंदर्य उद्योग महिलाओं को यही सिखाता रहा है कि कैसे वे है। औरतों को हमेशा सुंदर ही दिखना चाहिए, चाहे वे घूंघट में हों या बिकिनी में, चाहे युवा हों या बूढ़ी। इस सोच में कोई बदलाव नहीं आया है, आज भी नहीं, जिसे औरतों का युग कहा जा रहा है। सौंदर्य उद्योग ने स्त्री विमर्श के सारे नारों को अपने-अपने उत्पादों को बेचने के लिए हड़प लिया है। फलां क्रीम लगाइए और सुंदर दिखिए तथा आत्मविश्वास बढ़ाइए। फलां कार चलाइए और अपने अंदर की ताकत को महसूस कीजिए कि कोई भी स्त्री कुछ भी कर सकती है। सौंदर्य प्रतियोगिता आयोजित करने वालों ने भी अपनी रणनीतियों में बदलाव किया है। अब मोटी स्त्रियों के लिए भी ऐसी प्रतियोगिताएं हो रही हैं। शादीशुदा औरतों और उम्र दराज औरतों के लिए भी अब ऐसे रास्ते खोल दिए गए हैं। इसका कारण यह है कि सौंदर्य उत्पादक कंपनियों को लगता है कि सिर्फ 18 से लेकर 28 साल तक की उम्र की औरतों का सेगमेंट बनाए रखना कम फायदे का सौदा है। फायदा वही चाहिए, जो बता सके कि अमुक लोशन इस्तेमाल करते ही उसकी सारी झुर्रियां गायब हो गई और वह अपनी बेटी जैसी दिखने लगी। कई साल पहले ब्रिटेन की एक महिला ने प्लास्टिक सर्जरी के जरिये अपनी शक्ल और त्वचा को बिल्कुल अपनी बेटी जैसा करवा लिया था। कुछ साल पहले दिल्ली के सौंदर्य विशेषज्ञों की रिपोर्ट में बताया गया था कि आम फेशियल और पेडीक्योर, मेनीक्योर की बात तो छोड़िए, पचहत्तर और अस्सी साल की महिलाएं भी अपने हाथों की झुर्रियां निकलवाने आती हैं। कायदे से तो स्त्री विमर्श के इस युग में श्रमशील स्त्रियों की बात होनी चाहिए थी कि वे पूरी जिंदगी किन-किन चुनौतियों से जूझती हैं। मगर अफसोस वैसी स्त्रियां हमें कहीं दिखाई नहीं देतीं। वे अक्सर किसी खबर का हिस्सा नहीं बनतीं। बनती हैं तो तब, जब किसी हादसे का शिकार हो जाती हैं। स्त्रियों का नया नारा सिर्फ और सिर्फ सुंदर दिखना बना दिया गया है।

क्या मनगढ़ंत थी संदेशखाली की घटना

उत्तर 24-परगना जिले के जिस संदेशखाली का नाम इस साल पांच जनवरी के पहले देश तो दूर राज्य के ज्यादातर लोग भी नहीं जानते थी वही भाजपा का प्रमुख चुनावी मुद्दा बन गया था। क्या पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के यौन उत्पीड़न और बलात्कार की घटना और उसके बाद इस मुद्दे पर महिलाओं के जिस दोलन ने देश-विदेश में सुखिर्यां बटोरी थी, वह सब मनगढ़ंत था? इस मामले में भाजपा के एक नेता और एक पीड़िता के स्टिंग ऑपरेशन का वीडियो सामने आने के बाद राज्य की राजनीति अचानक गरमा गई है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने जहां हथियार भी मिल गया है। यह वीडियो तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को सोशल मीडिया पर जारी किया था। हालांकि, स्वतंत्र रूप से उसकी पुष्टि नहीं की जा सकी है।खुफिया कैमरे से रिकॉर्ड किए गए उस वीडियो में यह बात सामने आई है कि संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की ओर से महिलाओं के बलात्कार की घटना पूरी तरह झूठी और मनगढ़ंत है और इसके पीछे राज्य के प्रमुख भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी का हाथ है। भाजपा के संदेशखाली ब्लॉक-2 के मंडल अध्यक्ष गंगाधर कयाल को उस वीडियो में यह कहते सुना जा सकता है कि कुछ महिलाओं को पार्टी के वरिष्ठ बाद में केंद्रीय एजेंसियों ने मौके से उसे बरामद किया था। दिलचस्प बात यह है कि बशीरहाट की भाजपा उम्मीदवार रेखा पात्रा ने भी अपना यौन उत्पीड़न होने का दावा किया था। इस घटना से उपजी सहानुभूति को भुनाने के लिए ही पार्टी ने उसको बशीरहाट सीट से मैदान में उतारा था। संदेशखाली इलाका इसी लोकसभा के तहत है। वीडियो में एक महिला को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उसने अंग्रेजी में लिखी एक शिकायत पर बिना समझे हस्ताक्षर कर दिए थे। उसमें लिखा था कि शाहजहां शेख समेत तृणमूल कांग्रेस के तीन नेताओं ने उसके साथ बलात्कार

इसे एक बड़ी साजिश बताया है। वहीं भाजपा का दावा है कि यह वीडियो ही फर्जी है। उत्तर 24-परगना जिले के जिस संदेशखाली का नाम इस साल पांच जनवरी के पहले देश तो दूर राज्य के ज्यादातर लोग भी नहीं जानते थी वही भाजपा का प्रमुख चुनावी मुद्दा बन गया था। बीती जनवरी में ईडी की टीम पर हमले और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस नेताओं के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ सड़कों पर उतरने वाली महिलाओं के कारण सुंदरबन इलाके में बांग्लादेश की सीमा से सटे इस द्वीप को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुखिर्यां मिलती रही हैं। पार्टी के निचले स्तर के कार्यकर्ताओं से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैलियों में संदेशखाली की महिलाओं का कथित यौन उत्पीड़न की गूंज सुनाई देती रही है। इस मामले को अपने सियासी हित में भुनाने के लिए ही पार्टी ने संदेशखाली की एक पीड़िता रेखा पात्रा को ही बशीरहाट संसदीय सीट पर मैदान में उतारा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी शुरुआती दौर में खुद रेखा से फोन पर बात की थी। इससे साफ है कि पार्टी इस मुद्दे को लेकर कितनी गंभीर है। लेकिन अब स्टिंग ऑपरेशन के जरिए तैयार ताजा वीडियो ने इस पूरे मामले को एक नया रंग तो दिया ही है, इससे तृणमूल कांग्रेस को भाजपा पर जवाबी हमले को एक मजबूत नेता शुभेंदु अधिकारी के निर्देश पर बलात्कार और यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करने के लिए तैयार किया गया था। यहां इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि संदेशखाली ब्लॉक-2 की महिलाओं ने ही कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। वीडियो में सवाल करने वाले का चेहरा नजर नहीं आता। लेकिन भाजपा नेता का चेहरा साफ है। वे कहते हैं- हमने महिलाओं को ट्रेनिंग देकर बलात्कार और यौन उत्पीड़न की शिकायत दायर करने के लिए तैयार किया था। उसका कहना है कि कुछ महिलाएं आखिरी मौके पर डर कर शिकायत करने से पीछे हट गई। गंगाधर कयाल का दावा है कि शुभेंदु अधिकारी ने उसे और क्षेत्र के अन्य भाजपा नेताओं को शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सर्दार नामक तीन तृणमूल नेताओं के खिलाफ बलात्कार के आरोप लगाने के लिए तीन-चार स्थानीय महिलाओं को उकसाने को कहा था। फिलहाल यह तीनों नेता जेल में हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश पर संदेशखाली की घटना की जांच सीबीआई कर रही है। संदेशखाली से हाल में भारी तादाद में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए थे। उस वीडियो में दावा किया गया है कि शुभेंदु अधिकारी ने खुद संदेशखाली के एक घर में हथियार रखवाए थे। किया है। उस महिला ने बलात्कार की घटना से साफ इंकार किया है। संदेशखाली की घटना से बैकफुट पर आई तृणमूल कांग्रेस इस वीडियो के सामने आने के बाद भाजपा के प्रति आक्रामक हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी एक चुनावी रैली में कहा है कि यह वीडियो भाजपा की मानसिकता को दर्शाता है। यह बंगाल को बदनाम करने की एक सुनियोजित साजिश है। दूसरी ओर, भाजपा ने इस वीडियो को फर्जी करार दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने अपने एक ट्वीट में उस नेता गंगाधर कयाल का एक वीडियो पोस्ट किया है। उसमें वह कहता नजर आ रहा है कि स्टिंग आपरेशन वाले वीडियो में उसकी आवाज विकृत की गई है यानी वह उसकी आवाज नहीं है। शुभेंदु ने भी पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह वीडियो फर्जी है और इसे बनाने के लिए तकनीक का सहारा लिया गया है। उन्होंने इसके लिए तृणमूल कांग्रेस के लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि फिलहाल इस वीडियो का सत्यापन होना बाकी है। इसे बनाने वाले लोगों के नाम भी सामने नहीं आए हैं। लेकिन अगर इसमें जरा भी सच्चाई है तो इससे चुनाव के बाकी चरणो में भाजपा को नुकसान हो सकता है।

कोच की सलाह पर स्पिनर से बने ओपनर, रच दिया इतिहास

घरेलू क्रिकेट में रोहित ने मात्र 19 साल की उम्र में पदार्पण किया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए आयरलैंड के खिलाफ 23 जून 2007 को टीम इंडिया में शामिल किया गया। हालांकि, इस मैच में उनको बैटिंग या बॉलिंग का मौका नहीं मिला। रोहित शर्मा भारतीय टीम के तीनों फॉर्मेट टेस्ट, वनडे व टी-20 में खेलते हैं और तीनों की कप्तानी कर चुके हैं। एक इंटरव्यू में क्रिकेटर विराट कोहली ने खुलासा बॉलीवुड फिल्म के स्क्रिप्ट की तरह है। आज जिस मुकाम पर वो खड़े हैं, उसकी कल्पना उनके बचपन में नहीं की जा सकती थी। एक बेहद निमन् आय वर्ग के परिवार में रोहित का जन्म 30 अप्रैल 1987 को नागपुर में हुआ। उनके पिता गुरुनाथ शर्मा की आय इतनी कम थी कि वो रोहित का पालन-पोषण भी नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्हें मुंबई के बोरीवली में दादा और चाचा के पास भेज दिया गया। शायद किस्मत उन्हें मुंबई खींच

किया था कि रोहित शर्मा बेहद भुलक्कड़ हैं और अक्सर अपनी चीजें भूल जाते हैं। भले रोहित भुलक्कड़ हैं, लेकिन एक बात वो नहीं भूलते हैं, वो है क्रिकेट के मैदान पर रन बनाना। शायद यही कारण है कि उन्हें क्रिकेट का हिटमैन कहते हैं। यही हिटमैन आज 37 वर्ष का हो गया है और आगामी टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का नेतृत्व करने जा रहा है।रोहित शर्मा की कहानी लाई और यही उन्होंने क्रिकेट का क, ख, ग सीखा।रोहित क्रिकेट में बतौर ऑफ स्पिनर करियर बनाना थे और उन्होंने क्रिकेट की शुरुआत भी स्पिनर के तौर पर की, लेकिन उनके कोच दिनेश लाड ने उनकी बैटिंग की प्रतिभा को पहचाना। उस समय रोहित अपने स्कूल की टीम में आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते थे, लेकिन लाड ने रोहित को ओपनिंग करने के लिए भेजना शुरू किया।

सुप्रीम फैसले से वैवाहिक संस्कार के बचे रहने की आस, समाज सुधार की राह दिखाता अहम आदेश

ऐसे मौके बहुत कम आते हैं, जब अदालतें कानूनी जटिलताओं से आगे बढ़कर समाज-सुधार के मुद्दों पर अपनी राय रखती हों। हाल में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिंदू विवाह एक संस्कार है और जब तक सप्तपदी समेत उसके सभी अनुष्ठानों का पालन न कर लिया जाए, विवाह को मान्यता नहीं दी जा सकती।अदालती निणन्य कई बार सामाजिक सुधारों की पीठिका तैयार करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने विगत 19 अप्रैल, 2024 को अपने एक निणन्य के माध्यम से ऐसा ही किया। न्यायमूर्ति नागरतन तथा न्यायमूर्ति जॉर्ज मसीह की पीठ का निणन्य मूलतः हिंदू धर्म के विवाह में सप्तपदी तथा दूसरे संस्कारों के महत्व के बारे में था, किंतु इस निणन्य में न्यायालय ने मौजूदा समाज की विसंगतियों और उनसे पैदा होने वाली जटिलताओं को उजागर करते हुए अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की। मुकदमा ऐसे दंपती का था, जिसमें पति-पतने, दोनों प्रशिक्षित पायलट थे। दोनों ने 2021 के मार्च महीने में सगाई की तथा उसके बाद जुलाई में एक मंदिर में जाकर तथाकथित रूप से विवाह करके एक प्रमाणपत्र ले लिया और फिर उसी प्रमाणपत्र के आधार पर अपने विवाह का पंजीकरण करा लिया। दोनों के परिवार वालों ने उनकी शादी हिंदू रीति-रिवाजों से करने के लिए 25 अक्तूबर, 2024 की तिथि तय की, किंतु दोनों के बीच इस दौरान आपसी

मतभेद इतने बढ़ गए कि नौबत विवाह विच्छेद के मुकदमे तक पहुंच गई। इस तथाकथित विवाह में सप्तपदी (पवित्र अगिन्के चारों तरफ सात फेरे लगाकर सात वचन निभाने का संकल्प) का संस्कार संपनन्नहीं किया गया था। इसलिए अदालत के सामने एक तर्क यह दिया गया कि हिंदू विधि में सप्तपदी के बगैर विवाह संपनन् नहीं हो सकता, अतः इस रिश्ते को वैवाहिक रिश्ते की कानूनी मान्यता नहीं दी जा सकती। अन्य बातों के अलावा अदालत के सामने एक प्रशन् यह भी था कि क्या सप्तपदी के बिना किसी हिंदू विवाह को वैधानिक मान्यता दी जा सकती है? इसका उत्तर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू विवाह के अनुष्ठानों और उसके कानूनी और सामाजिक प्रभावों की व्यापक विवेचना की। अदालत ने कहा कि हिंदू विवाह एक संस्कार है और हिंदू विवाह के अंतर्गत उसे तब तक मान्यता नहीं दी जा सकती, जब तक कि सभी अनुष्ठानों का पूरी तरह पालन न कर लिया गया हो। यही नहीं, सर्वोच्च न्यायालय ने आगे कहा कि भारतीय समाज में हिंदू विवाह को बहुत सम्मान से देखा जाता रहा है और आज की युवा पीढ़ी को वैवाहिक जीवन में प्रवेश करने से पहले हिंदू विवाह पद्धति पर गंभीरता पूर्वक चिंतन करना चाहिए। चूंकि अदालत के सामने विचाराधीन इस मामले में सप्तपदी के अनुष्ठान का पालन नहीं किया गया था। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को माना और विवाह वैध रीति के अभाव में मान्यता नहीं दिए जाने की बात की। इस मामले की खास बात यह है कि अदालत ने अपने को केवल कानून के तकनीकी पहलुओं तक सीमित रखने के बजाय सामाजिक पहलुओं पर भी अपना रुख स्पष्ट किया। सुप्रीम कोर्ट ने विवाह जैसी महत्वपूर्ण संस्था को बहुत हल्के में लेने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। अदालत की पीठ ने कहा कि विवाह कोई वाणिज्यिक गतिविधि नहीं है, जिसे उपहारों और अन्य आर्थिक लेन-देन का माध्यम मात्र मान लिया जाए, बल्कि यह एक पवित्र बंधन है। इसमें वर-वधू को सामाजिक मान्यता देकर पति और पतनी के ऊंचे पद पर प्रतिष्ठित किया जाता है। अदालत ने कहा कि विवाह केवल नाचने-गाने और जशन् मनाने का ही मौका नहीं होता, अपितु यह पवित्र वैवाहिक संबंधों की आधारशिला है। इसलिए युवक-युवतियों को इसे बहुत गंभीरता पूर्वक लेना चाहिए। इस प्रकरण का एक पहलू यह भी था कि पक्षकारों ने मंदिर में विवाह के बाद मंदिर के पुजारी से उसका प्रमाणपत्र ले लिया था तथा उसी आधार पर विवाह पंजीकरण करा लिया था। यह सब कुछ बहुत आनन-फानन में और जल्दबाजी में किया गया था। इसलिए अदालत के सामने एक सवाल यह भी था कि क्या पंजीकरण हो जाने के बाद विवाह की वैधता को चुनौती दी जा सकती है? अदालत ने इस पर कहा कि पंजीकरण, विवाह के संपनन्हो जाने के बाद की महज औपचारिकता है, इसलिए पंजीकरण मात्र से ही उसे कानूनी मान्यता नहीं दी जा सकती। इस मामले में चूंकि हिंदू विवाह के लिए जरूरी अनुष्ठान पूरे नहीं किए गए थे, इसलिए कानून की निगाह में उसे विवाह माना ही नहीं जा सकता। अतः पंजीकरण करवा लेने मात्र से ही तथाकथित विवाह को कानूनी मान्यता नहीं दी जा सकती। सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रकरण में हिंदू विवाह के पारंपरिक अनुष्ठानों के कानूनी और सामाजिक पहलुओं को निरूपित करते हुए आह्वान किया कि सामाजिक ताने-बाने को मजबूती देने के लिए समाज को भी आगे आना चाहिए। सप्तपदी के महत्व को बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ऋग्वेद के सूत्रों के हवाले से बताया कि इस अनुष्ठान के संपनन् होने पर वर नववधू से कहता है कि अब वे एक-दूसरे के सखा यानी मित्र हो गए हैं और फिर वह कामना करता है कि दोनों सदैव ही एक-दूसरे के बने रहें तथा कभी अलग न हों। इस तरह पतनी, पति की अर्धांगिनी का दर्जा हासिल कर लेती है। इन उदात्त भावों की आधारशिला पर मजबूत संबंधों के भविष्य की भूमिका तैयार होती है। यही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने आज की युवा पीढ़ी का आह्वान करते हुए?कहा कि वे हिंदू विवाह के अनुष्ठानों में निहित भावों को गंभीरता से समझें और उसे अपने आचरण में ढालें। ऐसे मौके बहुत कम आते हैं, जब अदालतें कानून की तकनीकी जटिलताओं से आगे बढ़कर समाज-सुधार के मुद्दों पर अपनी राय रखती हों। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस गुरुतर दायित्व का निर्वहन किया है, जो स्वागत योग्य है। विवाह जैसी महत्वपूर्ण संस्था के प्रति बदलते दृष्टिकोण से बढ़ते हुए सामाजिक विघटन की पृष्ठभूमि में यह और भी प्रासंगिक हो गया है। समाज सुधार के मामलों में अदालतों की भूमिका अक्सर बहुत सीमित होती है, इसलिए अब समाज की जिम्मेदारी है कि वह इस पहल को अंजाम तक पहुंचाए।

संक्षिप्त समाचार

व्यापारिक जहाजों को समुद्री डाकुओं के हमले से बचाने पर नौसेना के मुरीद हुए राजनाथ सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय नौसेना द्वारा हाल में कई सफल अभियानों की सफलता को लेकर बधाई दी। राजनाथ सिंह ने नौसेना को लेकर कहा है कि भारतीय नौसेना ने एक करिश्मा किया है। रक्षा मंत्री ने भारतीय नौसेना की विदेशी जल क्षेत्र में बल के कई अभियानों के लिए तहे दिल से प्रशंसा की (जहां भारतीय नौसेना समुद्री डाकुओं द्वारा नियंत्रित या धमकी दिए गए कई व्यापारिक जहाजों की सहायता

की)। न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय नौसेना की जमकर तारीफ की। राजनाथ सिंह ने नौसेना को लेकर कहा है कि भारतीय नौसेना ने करिश्मा किया है। हाल में हुए हमलों को लेकर रक्षा मंत्री ने कहा कि विदेशी जल क्षेत्र में बल के कई अभियानों को सफलता पूर्वक पूरा करने कि लिए नौसेना को बधाई देता हूं। न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में, सिंह ने दूसरे विमानवाहक पोत के निर्माण के लिए नौसेना के प्रस्ताव पर सकारात्मक रूप से विचार करने के लिए सरकार की तत्परता के संकेत भी दिए। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का वार्षिक रक्षा निर्यात 2023-24 में पहली बार 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया और उनके मंत्रालय ने अगले पांच-छह वर्षों में इसे बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि हम इसे 2029-30 तक 50,000 करोड़ रुपये से अधिक तक ले जाएंगे। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि रणनीतिक जलमार्गों में नौसेना के अभियानों पर सिंह ने कहा कि सुरक्षा बल प्रशंसा का पात्र है। उन्होंने कहा, ठभारत की नौसेना ने करिश्मा कर दिखाया है। नौसेना को बधाई।

रामलला के दर्शन से हो रहा था विरोध', कांग्रेस नेता राधिका खेड़ा ने पत्र में किया पार्टी छोड़ने का खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले भी कांग्रेस को एक के बाद एक कई झटके लगे। अब चल रहे चुनाव के बीच भी कांग्रेस को एक और झटका लगा है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेता राधिका

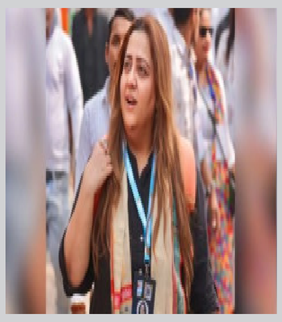

खेड़ा ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि आज अत्यंत पीड़ा के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता त्याग रही हूं। साथ ही अपने पद से इस्तीफ़ा दे रही हूं। छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेता राधिका खेड़ा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पत्र लिखकर पार्टी पर कई आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आज अत्यंत पीड़ा के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता त्याग रही हूं। साथ ही अपने पद से इस्तीफ़ा दे रही हूं। उन्होंने कहा कि हां मैं लड़की हूं और लड़ सकती हूं और मैं अब वही कर रहीं हूं। राधिका खेड़ा ने अपने इस्तीफे में लिखा कि हर हिंदू के लिए प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली पवित्रता के साथ बहुत मायने रखती है। रामलला के दर्शन मात्र से जहां हर हिंदू अपना जीवन सफल मानता है वहीं कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। राधिका ने पत्र में लिखा कि मैंने जिस पार्टी को अपने 22 साल से ज्यादा दिए। जहां ≈एळघ् से लेकर के मीडिया विभाग में पूरी ईमानदारी से काम किया। आज वहां ऐसे ही तीव्र विरोध का सामना मुझे करना पड़ा है, क्योंकि मैं अयोध्या में रामलला के दर्शन करने से खुद को रोक नहीं पाई।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीराम कथा का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। सेक्टर 82 स्थित ईडब्लूएस पॉकेट 7 में आयोजित श्रीराम कथा

का विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ हुआ। बैंड बाजे व ढोल नगाड़ों साथ 207 महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर पूरे सेक्टर में कलश यात्रा निकाली। शोभा यात्रा में आगे आगे ऊंट फिर बैंड बाजा इसके बाद कथा व्यास महामंडलेश्वर पंचमानंद महाराज का रथ उसके पीछे कलश धारण किए महिलाएं एवं भक्तजन और ट्रेक्टर पर सवार भगवान राम, सीता , लक्ष्मण, हनुमान जी शोभायात्रा को शोभायमान कर रहे थे। बैंड बाजों की थाप पर थिरकते श्रद्धालुओं के जय श्रीराम के उद्घोष ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कलश यात्रा पूरे सेक्टर 82 एवं 93 में घूमती हुई पुनः कथा स्थल पहुंची इस दौरान जगह फूलों से कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया और जलपान की भी व्यवस्था की गई। कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानन्द महाराज ने राम कथा का महात्म्य बताते हुए कहा कि जन्म जन्मांतर के पुण्यों के अभ्युदय होने पर हमें राम कथा रूपी अमृत पान करने का शुभ अवसर प्राप्त होता है। श्रीराम कथा के श्रवण मात्र से हमारे मेरु समान पापों का शमन हो जाता है। राम कथा संस्कारों का बीजारोपण करती है। सती चरित्र एवं पार्वती विवाह का रोचक प्रसंग व्यास जी द्वारा सुनाया गया इस अवसर पर आरडब्लूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि सभी पॉकेट वासियों के सहयोग से यह श्रीराम का आयोजन हो रहा है। श्रीराम कथा नित्य 4 बजे से 8 बजे तक होगी। 6 मई को नारद मोह, श्रीराम जन्म, अहिल्या उद्धार आदि कथाओं का वर्णन किया जाएगा। सभी श्रद्धालु भक्तों से अनुरोध है कि कथामृत का रसपान कर पुण्यलाभ अवश्य अर्जित करें। इस अवसर पर देवमणि शुक्ला, संजय पांडे, गोरे लाल, रवि राघव, देवेंद्र गुप्ता, सुशील पाल, हरी सिंह, अंगद तोमर, रमेश दास, रमेश चंद्र शर्मा, विष्णु शर्मा, रमेश वर्मा, हंसमणि शुक्ला, राजेश गुप्ता, अनूप सिंह, जयंत शाहू, संगम प्रसाद मिश्र, राजवीर सिंह, विकास शर्मा, रमेश गुप्ता, विजय जी, प्रकाश जोशी सहित भारी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

उन लोगों को छोड़ना बेहद मुश्किल टेस्ला से निकाले जाने पर पाकिस्तान मूल की महिला ने लिखा भावुक पोस्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्माता कंपनी टेस्ला इंक से लगातार अपने कर्मचारियों की छंटनी की खबरें सामने आ रही है। पहले टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने अपने ग्लोबल वर्कफोर्स में 10 फीसदी कटौती का एलान किया। इसके बाद जानकारी सामने आई कि कंपनी ने अपने दो वरिष्ठ अधिकारियों को उनकी पूरी टीम समेत नौकरी से निकाल दिया। पाकिस्तानी मूल की महिला ने अपने लिंक्डइन अकाउंट पर लिखा यह उन समर्पित लोगों के साथ काम करने का सौभाग्य और सम्मान था जिन्होंने चार्जिंग टेकनेलॉजी और नेटवर्क बनाने में अपना दिल और आत्मा झोंक दी जिसने न केवल टेस्ला ड्राइवरों की मदद की बल्कि ईवी इंडस्ट्री ने भी इसका स्वागत किया। साथ ही ऐसे इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्माण करता हो जो लोगों को बेहतर एक्सपीरियंस देते हैं। कंपनी के इस फैसले से करीब 500 कर्मचारी बेरोजगार हुए हैं। जिस वजह से टेस्ला से निकाले जाने

वाले कर्मचारियों का आंकड़ा 20 फीसदी तक पहुंच सकता है। इन सबके बीच, टेस्ला में जारी छंटनी की वजहों से कंपनी के कर्मचारियों की पीड़ादायक कहानियां भी सामने आ रही हैं। पाकिस्तानी मूल की महिला बिस्मा रहमान ने लिंक्डइन पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। बिस्मा रहमान ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट लिखकर दावा किया है कि अभी हाल ही में जिन 500 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है। उनमें से वो भी है। पाकिस्तानी महिला ने सोशल मीडिया पर नौकरी निकाले जाने को लेकर और कंपनी को लेकर एक भावुक पोस्ट लिखा है। पाकिस्तानी मूल की महिला ने अपने लिंक्डइन अकाउंट पर लिखा, ठयह उन समर्पित लोगों के साथ काम करने का सौभाग्य और सम्मान था, जिन्होंने चार्जिंग टेकनेलॉजी और नेटवर्क बनाने में अपना दिल और आत्मा झोंक दी, जिसने न केवल टेस्ला ड्राइवरों की मदद की, बल्कि ईवी इंडस्ट्री ने भी इसका स्वागत किया। साथ ही ऐसे इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्माण करता हो, जो लोगों को बेहतर एक्सपीरियंस देते हैं। महिला ने आगे लिखा, ठदुर्भाग्य से, टेस्ला चार्जिंग टीम के 500 से अधिक लोगों की टीम को, मेरे समेत, आज रात को खत्म (डिजोल्व) कर दिया गया। इस टीम ने मुझे अपने करियर का सबसे बेहतरीन काम करने का मौका दिया और मुझे टेस्ला चार्जिंग और इंडस्ट्री के महत्वपूर्ण कार्यों की जिम्मेदारी दी गई। इस महिला ने उसके बाद लिखा, ङ्घऐसे लोगों का साथ छोड़ना बहुत मुश्किल है जो एक मिशन के प्रति इतने समर्पित थे, और सबसे कठिन समस्याओं को हल कर रहे थे। वे असंभव से दिखने वाले कार्यों को संभव बना रहे थे।

दो हफ्तों से लापता गुरुचरण सिंह के परिवार का हुआ बुरा हाल, तारक मेहता का उल्टा चश्मा एक्टर के पिता ने कहा- बस अब हम पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तारक मेहता का उल्टा चश्मा में रोशन सोढ़ी का किरदार अदा करने वाले अभिनेता गुरुचरण सिंह को लापता हुए दो हफ्तों से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन अब तक पुलिस पता नहीं लगा पाई है कि एक्टर कहां हैं। एक्टर गुरुचरण सिंह को लापता हुए दो हफ्तों से ज्यादा का समय हो चुका है। एक तरफ जहां बेटे के ना मिलने से उनके परिवार का परेशानी के कारण दिन ब दिन हाल बुरा हो रहा है तो वहीं पुलिस रोशन सिंह सोढ़ी उर्फ गुरुचरण का अभी तक कोई पता नहीं लगा पाई है जिसके बारे में हाल ही में उनके पिता ने कहा।एक तरफ जहां तारक मेहता की पूरी टीम एक्टर के जल्द से जल्द मिलने की दुआ कर रही है, तो वहीं हर बीतते दिन के साथ उनका परिवार अपने बेटे को गले से लगाने के लिए तरस रहा है।हाल ही में रोशन सिंह सोढ़ी उर्फ गुरुचरण सिंह के पिता हरजीत सिंह ने कहा कि वह अपने बेटे को बहुत याद कर रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि अब तक पुलिस से उन्हें कुछ जानकारी हासिल हुई है या नहीं।तारक मेहता का उल्टा चश्मा एक्टर गुरुचरण सिंह के पिता टाइम्स ऑफ इंडिया से खास बातचीत करते हुए कहा,आपको बता दें कि गुरुचरण सिंह ने 22 अप्रैल 2024 को लापता होने से पहले गुरुचरण सिंह ने अपने पिता का जन्मदिन मनाया था, जिस पर बात करते हुए हरजीत सिंह ने कहा, ठहमने कोई सेलिब्रेशन नहीं किया, हम सब घर में साथ थे और हमें बहुत ही अच्छा लग रहा था। अगले दिन मेरे बेटे को मुंबई जाना थाठ।रिपोर्ट्स के मुताबिक,घर से मुंबई जाने के लिए निकले गुरुचरण सिंह सोढ़ी जिस दिन लापता हुए उस दिन उन्हें एयरपोर्ट पर उनकी दोस्त भक्ति सोनी रिसीव करने आने वाली थी। तारक मेहता का उल्टा चश्मा एक्टर की दोस्त ने बताया कि वह एयरपोर्ट गई थीं, उन्होंने उनका इंतजार किया और उन्हें फोन भी किया, लेकिन वह मुंबई नहीं पहुंचे।उन्होंने कहा कि बस वह इस उम्मीद में हैं कि पुलिस अभिनेता के बारे में कोई जानकारी जुटा सकें। हाल ही में पुलिस सूत्रों का हवाला देते हुए न्यूज 18 ने अपनी रिपोर्ट में ये दावा किया था कि गुरुचरण सिंह ने अपना फोन पालम एरिया में ही छोड़ दिया था। जो सीसीटीवी फुटेज में पुलिस के हाथ लगा है।

सुनिधि चौहान ने देहरादून कॉन्सर्ट के दौरान हुई बदसलूकी पर किया रिएक्ट, बोतल फेंकने पर कहा- 'वो बच्चे बस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।बॉलीवुड की फेमस प्रेबैक सिंगर सुनिधि चौहान अपने देहरादून कॉन्सर्ट को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। परफॉर्मेंस के दौरान उन पर हमले का वीडियो चर्चा में बना हुआ है। घटना के दौरान सुनिधि चौहान ने नाराजगी भी जताई थी, लेकिन अब उन्होंने किसी भी तरह की बदसलूकी से इनकार किया है। सुनिधि चौहान अपने हालिया देहरादून कॉन्सर्ट को लेकर चर्चा में बनी हुई है। परफॉर्मेंस के दौरान उन पर हमले की बात सामने आई। सोशल मीडिया पर सुनिधि चौहान के इस कॉन्सर्ट का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें पब्लिक उन पर बोतलें फेंक रही है। वहीं अब उन्होंने इस घटना को लेकर बात की और पूरे किस्से के बारे में बताया। सोशल मीडिया पर सुनिधि चौहान के देहरादून कॉन्सर्ट का वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ फैंस परफॉर्मेंस के दौरान स्टेज पर बोतल फेंकते हुए दिख रहे हैं। हालांकि, सुनिधि चौहान ने शांति और अक्लमंदी से काम लिया, जिसके लिए उनकी तारीफ भी हुई। सुनिधि चौहान ने अपने एक हालिया इंटरव्यू में परफॉर्मेंस के दौरान हुई घटना पर रिएक्ट करते हुए खुद पर किसी भी तरह के हमले से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि बच्चे सिर्फ मौज- मस्ती कर रहे थे। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में सुनिधि ने कहा कि उन्हें अंदाजा था कि वीडियो वायरल हो गया है और ये पहली बार है कि उनके साथ ऐसा कुछ हुआ है। उन्होंने यहां तक कहा कि ये जानबूझकर नहीं किया गया। सुनिधि चौहान ने कॉन्सर्ट के बार में बताते हुए आगे कहा कि वो अपना दूसरा आखिरी गाना गा रही थीं और ऑडियंस मस्ती कर रही थी, तभी उन्होंने हवा में बोतलें फेंकते देखा। सुनिधि ने आगे कहा कि एक बोतल स्टेज पर गिर गई, जिसमें पानी था। उन्होंने तुरंत रिएक्ट करते हुए कहा, ठये क्या हो रहा है? 'शो रुक जाएगा।ठ इस पर फैंस ने जवाब दिया, ठनहीं, प्लीज ऐसा मत करो।ठ देहरादून में हुई इस घटना को सुनिधि चौहान ने एक और जानकारी शेयर की। उन्होंने बताया कि एक बोतल ने उनके माइक्रोफोन पर बहुत तेजी से मारा, लेकिन कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अगर माइक उनके मुंह के करीब होता तो उन्हें चोट लग सकती थी। सुनिधि चौहान ने कहा कि पहले हुई इस तरह की घटना से वो वाकिफ हैं, जब लोगों ने जानबूझकर कलाकारों के साथ बदसलूकी की और उन पर चीजें फेंकी, जो गलत है।

टूट गए 'बड़े मियां छोटे मियां' के अरमान, 'मैदान' के आगे चिल्लर भर भी नहीं कर पाई कमाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बड़े मियां छोटे मियां को सिनेमाघरों में रिलीज हुए तीन हफ्तों से ज्यादा का समय बीत चुका है। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर एक्शन से भरपूर इस मूवी ने अजय देवगन की फिल्म 'मैदान' के साथ बॉक्स ऑफिस पर टक्कर ली थी। और टाइगर श्रॉफ स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर भले ही शानदार रही हो लेकिन अब अजय देवगन की मूवी खिलाड़ी कुमार की फिल्म को सिनेमाघरों में टिकने का एक मौका नहीं दे रही है। इन दोनों ही फिल्मों को रिलीज हुए 25 दिन बीत चुके हैं। बड़े मियां छोटे मियां ने रविवार को कितनी कमाई की चलिए देखते हैं- शुरुआत में जहां अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी ये फिल्म सरपट घरेलू बॉक्स ऑफिस पर दौड़ रही थी, तो वहीं 25 दिनों में ही एक बेहतरीन कलेक्शन करने में फिल्म की हवा निकल गई है। रिलीज के 25वें दिन बड़े मियां छोटे मियां कई भाषाओं में रिलीज के बावजूद 'मैदान' से बॉक्स ऑफिस पर हार गयी। एक तरफ जहां बड़े मियां छोटे मियां का भट्टा हर दिन बैठ रहा है, तो वहीं मैदान घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बुलेट ट्रेन बन चुकी है। अजय देवगन की फिल्म ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर ऐसा कब्जा किया है कि थिएटर में बड़े मियां छोटे मियां को ऑडियंस ही नहीं मिल रही है, नतीजन अक्षय कुमार की मूवी की पाई-पाई कमाई करने में भी हालत खराब हो रही है। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म वीकेंड पर भी नहीं उठ पा रही है। सैकनलिक.कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलीज के 25वें दिन रविवार को 'बड़े मियां छोटे मियां' ने टोटल 7 लाख की हिंदी भाषा में कमाई की है। अक्षय कुमार की एक्शन ड्रामा फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' को हिंदी के अलावा तामिल, तेलुगु, मलयालम और कनन्ड़ भाषा में रिलीज किया गया था, लेकिन हिंदी के अलावा सभी भाषाओं में फिल्म का कलेक्शन अब थम चुका है। तमिल में मूवी ने जहां टोटल 35 लाख का बिजनेस किया, तो वहीं तेलुगु में मूवी का टोटल कलेक्शन 28 लाख का हुआ। बड़े मियां छोटे मियां ने इंडिया में नेट कलेक्शन अब तक 63.75 करोड़ का किया है, जबकि वर्ल्डवाइड इस मूवी ने टोटल 108 करोड़ तक की कमाई की है।

सशक्त महिला होंगी लेकिन करीना कपूर ने रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' को लेकर कही बड़ी बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।करीना कपूर खान को हाल ही में यूनिसेफ इंडिया का नेशनल एंबेसडर नियुक्त किया गया है। अभिनेत्री साल 2014 से यूनिसेफ इंडिया के साथ जुड़ी हुई हैं। सोशल मीडिया पर अभिनेत्री ने कई फोटोज और वीडियोज भी शेयर किए। करीना कपूर खान बीते दिनों क्रू में नजर आई थी। अब जल्द रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में नजर आएंगी। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा नहीं हुआ है लेकिन कहा जा रहा है कि इसी साल रिलीज हो सकती है। ऐसे में अभिनेत्री ने कहा है कि ये फिल्म सिंघम अगेन पुरुषवादी है। वहीं दूसरी तरफ करीना अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर भी काफी चर्चा मे हैं। इस साल बेबो एक के बाद एक कई फिल्मों में दिखाई देंगी, जिसमें से एक रोहित शेट्टी ('दपू एपूब) की सिंघम अगेन भी शामिल है। वर्तमान में फिल्मों की कहानियों के साथ- वर्तमान में फिल्म की प्रस्तुतीकरण में भी काफी अंतर आ चुका है। हालांकि, महिलाओं के नजरिए से सिनेमा जगत में अभी काफी बदलाव आने बाकी हैं। अभिनेत्री करीना कपूर की हालिया प्रदर्शित और महिला प्रधान फिल्म क्रू टिकट खिड़की पर सफल रही। आगे वह हंसल मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म द बकिंगघम मर्डर्स में नजर आएंगी। यह भी महिला प्रधान फिल्म है। इस बीच वह सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म सिंघम अगेन भी कर रही हैं। इसमें वह अवनी की भूमिका में नजर आएंगी। ऐसे में अभिनेत्री ने एक पत्रिका को दिए इंटरव्यू में कहा है कि सिंघम अगेन पुरुषवादी फिल्म है। उसमें फैंस को कुछ सशक्त महिला भूमिकाएं भी देखने को मिलेंगी। इस दौरान करीना कपूर ने क्रू फिल्म की सीक्वल बनने की संभावनाएं भी जताई। इस फिल्म में करीना कपूर के साथ अभिनेत्री दीपिका पादुकोण भी लेडी सिंघम की भूमिका में हैं। इस बारे में करीना कपूर ने कहा, 'फिल्म में मेरी और दीपिका दोनों की भूमिकाएं बहुत ही सशक्त हैं, लेकिन यह तो स्वाभाविक है कि यह महिला प्रधान फिल्मों से अलग होगी। मुझे भरोसा है कि लोग इस फिल्म का आनंद लेंगे।' सिंघम अगेन' का निर्देशन रोहित शेट्टी द्वारा किया जा रहा है और यह उनके मशहूर कॉप यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म होगी। फिल्म में अजय देवगन, टाइगर श्रॉफ और दीपिका पादुकोण के अलावा अक्षय कुमार, करीना कपूर खान और रणवीर सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा फिल्म में अर्जुन कपूर, जैकी श्रॉफ और श्वेता तिवारी भी नजर आएंगी। आपको बता दें कि फिल्म सिंघम अगेन के साथ दीपिका पादुकोण पहली बार सिंघम फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ी हैं। उनके अलावा इस फ्रेंचाइजी में अर्जुन कपूर और टाइगर श्रॉफ भी पहली बार दिखाई देंगे।

जब सफेद बाल रंगते- रंगते थक गए थे आशिकी एक्टर दीपक तिजोरी, हॉलीवुड के इन दो सुपरस्टार ने बदला नजरिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। 'खिलाड़ी' फिल्म अभिनेता दीपक तिजोरी इस बात से खुश हैं कि अब उन्हें उनकी उम्र के किरदार निभाने का मौका मिल रहा है। बतौर निर्देशक सात फिल्में निर्देशित कर चुके दीपक की आठवीं फिल्म टिप्पसी 10 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में उन्होंने अभिनय भी किया है। दीपक तिजोरी ने फिल्म, अपने सफर और टाइपकास्ट होने जैसे मुद्दों पर बात की। पेश है से उनकी बातचीत के बतौर निर्देशक सात फिल्में निर्देशित कर चुके दीपक तिजोरी की आठवीं फिल्म टिप्पसी 10 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में उन्होंने अभिनय भी किया है। दीपक तिजोरी ने फिल्म अपने सफर और टाइपकास्ट होने जैसे मुद्दों पर बात की। उन्होंने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर भी बात की। पेश है दैनिक जागरण से उनकी बातचीत के यह मेरी जिंदगी का बहुत ही दिलचस्प पड़ाव है। अच्छी बात यह है कि मुझे ऐसे किरदार मिल रहे हैं। जहां पर मैं अपनी उम्र के किरदार निभा सकता हूं। मुझे दिखावा करने की जरूरत नहीं पड़ रही। जब बालों का रंग सफेद होना शुरू हुआ था तो मैंने भी काफी समय तक अपने बाल काले किए थे। लेकिन एक दिन मैं थक गया। हम हॉलीवुड अभिनेता रॉबर्ट डी नीरो, अल पचीनो को देखते हैं। उनकी उम्र भी बढ़ी है। वह ऐसे किरदार कर रहे हैं जो उनकी उम्र के अनुरूप हैं। तो मैंने सोचा कि कम से कम मैं तो इस दौर से निकलूं। मैंने बालों को रंगना बंद कर दिया हां उस पर थ्रिलर फिल्म बनानी थी, लेकिन उसके लिए कोई फंडिंग नहीं मिली। मेरे पास अच्छा कांसेप्ट है। मैं चाहता हूं कि कोई निर्माता मिले तो उस पर फिल्म बनाएं। मुझे शो को लेकर ख्याल आया कि बिग बॉस के घर में कोई गलत इंसान घुस जाए जो सारे गलत काम कर रहा हो, जो सामने न आए तो फिर क्या हो? वो वाली बात थी। मेरी ख्वाहिश थी इस पर फिल्म बनाने की। उस पर कहानी काफी हद तक लिखी भी थी लेकिन फिर बात बनी नहीं। सौभाग्य से मैंने जब ऐसा किया उसी समय नेशनल अवार्ड विजेता वीणा बख्शी की फिल्म इतर मिली। दरअसल, उन्होंने मेरा सफेदी वाला लुक देखा और फिल्म ऑफर की। मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी वह रिश्तों पर है। दो मैच्योर लोगों की कहानी है। दोनों सिंगल हैं। रिश्तों में दूसरा मौका दें या न दें इस मुद्दे पर है। यह फिल्म भी आगामी दिनों में रिलीज होगी। इसके अलावा एक फिल्म है जिसे मैं और पूजा भट्ट एक साथ करेंगे। उसकी स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। तो काम मिल रहा है। ऐसी फिल्में करने के लिए मैं तरसता था। आइडिया यह था कि द हैंगओवर सीरीज हमने बहुत एंजॉय की है वह लड़कों की कहानी थी । फिर लगा कि यह जागीर सिर्फ मर्दों की नहीं है। अब तो औरतें भी बैचलरेट पार्टी करती हैं। मेट्रो सिटी के लोग इससे वाकिफ है, लेकिन छोटे शहरों के लोगों को भी इसके बारे में पता चलेगा। यह पांच लड़कियों की कहानी है। वह पार्टी करने जाती हैं, जब एक की शादी हो रही होती है। उस दौरान अगर हादसा हो जाए तो क्या होगा ? दरअसल मुझे अब्बास मस्तान की फिल्म खिलाड़ी और ऋषि कपूर की खेल खेल में जैसी फिल्में प्रेरित करती हैं जिसमें हादसा हो गया और फिल्म का टोन ही बदल गया। यह मेरे दिमाग में बैठ गया था। यह वास्तव में गलतफहमी है कि ऊप्स नहीं चली थी। दरअसल, ऊप्स में मैंने बहुत सारे पैसे कमाए थे। जिससे मैंने फाइनेंस लिया था उसे ब्याज सहित पैसे लौटाए थे। ऊप्स हिंदी और अंग्रेजी में बनी थी हमारे उत्तर भारत के डिस्ट्रीब्यूटर जेडी मेहता थे। वो फिल्म की कमाई से खुश थे। बेशक, वह वक्त से पहले की फिल्म थी। जिन महिलाओं ने फिल्म देखी उन्होंने मुझे बहुत सम्मान दिया। मैंने महिलाओं के दिल की बात कही थी। दरअसल, वह प्रचार में कहीं खो गई। मार्केटिंग पर मेरा नियंत्रण नहीं था। एक उदाहरण देता हूं ऊप्स की रिलीज के चार-पांच महीने बाद मैं अपने दोस्त से मिलने बैंक गया। वहां के मैनेजर के केबिन के सामने से गुजरा। उन्होंने मुझे देखा तो अपने केबिन में बुलाया और कहा आपकी फिल्म की मार्केटिंग अलग तरीके से हुई।

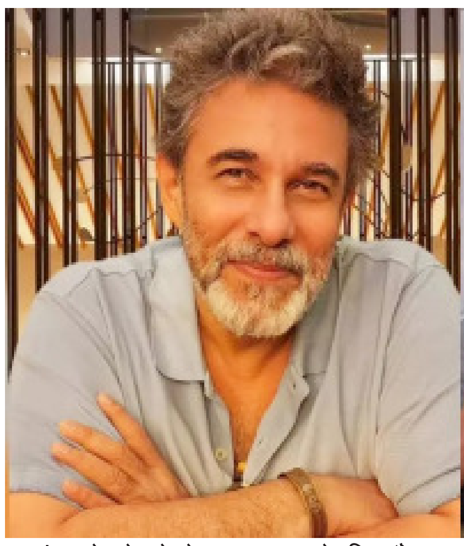
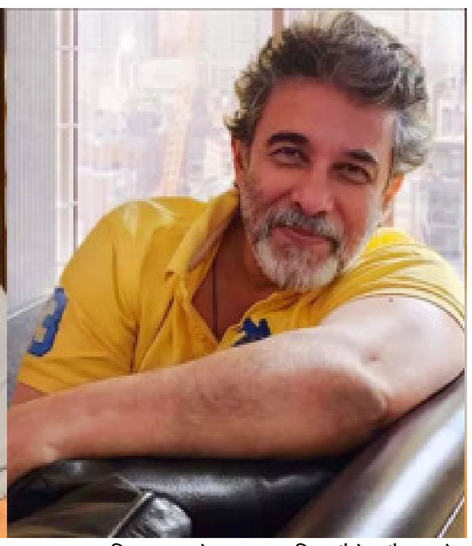

हीरामंडा की साइमा कौन हैं 'आलमजेब' से ज्यादा बटोर रहीं चर्चा, ग्लैमरस तस्वीरों से गिराती हैं बिजलियां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा और अदिति राव हैदरी अपनी परफॉर्मेंस से खूब तारीफें बटोर रही हैं। रिलीज होने के बाद से ही चर्चा में है। इस सीरीज में जहां बड़ी-बड़ी अदाकाराओं के बीच नई एक्ट्रेस श्रुति शर्मा ने ऑडियंस का दिल जीत लिया है। संजय लीला भंसाली की सीरीज में साइमा का किरदार निभाकर श्रुति फेमस हो गई हैं। अब हर कोई जानना चाहता है कि आखिर हीरामंडी की साइमा कौन हैं। ऋचा चड्ढा का रोल भी कम था, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदगी से लोगों का दिल चुना। वहीं, संजीदा शेख और उनकी बेटी किरदार निभाने वालीं प्रतिभा रांटा के अभिनय की भी तारीफ हुई। हालांकि, इन सब में एक और किरदार है जो इस वक्त खूब लाइमलाइट बटोर रहा है। हम बात कर रहे हैं वहीदा की बेटी बनीं साइमा की।

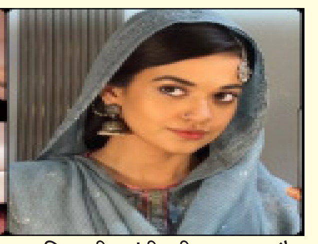

मनीषा कोइराला से पहले इस मशहूर अभिनेत्री को ऑफर हुआ था हीरामंडी का मल्लिका जान का किरदार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' ओटीटी पर छाई हुई है। कई दर्शकों ने इस सीरीज की जमकर तारीफ की तो वहीं कइयों का कहना है कि कहानी थोड़ी बोरिंग है, लेकिन अभिनेत्री मनीषा कोइराला की हर कोई तारीफ कर रहा है।अभिनेत्री मनीषा कोइराला इस वक्त संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में नजर आ रही हैं। इस सीरीज में मनीषा मल्लिका जान के किरदार में छा गई हैं । लोगों को उनका के अवात बेहद पसंद आ रहा है । इतना ही नहीं खुद रेखा ने भी इसकी तारीफ की ।सालों पर बाद मनीषा ने पर्दे पर वापसी की है और मल्लिका जान के किरदार में छा गई हैं। अब 'हीरामंडी' की रिलीज के बाद इस किरदार को लेकर एक खुलासा हुआ है। कहा जा रहा है कि मल्लिका जान के लिए पहली पसंद मनीषा कोइराला नहीं बल्कि अभिनेत्री रेखा थी।फिल्मी ज्ञान' को दिए इंटरव्यू में मनीषा कोइराला ने बताया कि, 'रेखा जी को 18-20 साल पहले ये रोल ऑफर किया गया था।' संजय लीला भंसाली के शो में उन्हें मल्लिका जान की भूमिका निभाते हुए देखने के बाद, रेखा जी ने अगले दिन उन्हें फोन किया और कहा, ङ्बच्चा, मैं प्रार्थना कर रही थी कि अगर मैं यह भूमिका नहीं करूंगी, तो तुम्हें करनी चाहिए।ङ्ग मेरी प्रार्थनाएं सच हो गई हैं। तुमने यह अद्भुत ढंग से किया है। आप जीवन में बहुत कुछ कर चुके हैं और आपने चरित्र में जान डाल दी है। अभिनेत्री ने बताया कि, रेखा जैसी दिग्गज कलाकार से आशीर्वाद पाना बहुत मायने रखता है। मेरी आंखों में आंसू आ गए थे और मैंने उससे कहा कि तुम मुझे रुला रही हो।ठ रेखा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "रेखा जी एक देवी हैं। मैं उससे प्यार करती हूं। मुझे उसे जानने का अवसर मिला। वह सबसे सुंदर और काव्यात्मक है। वह कैसी कलाकार है। उसकी आवाज, नृत्य, शैली, सौंदर्यशास्त्र, आप इसे नाम दें। वह बहुत खूबसूरत इंसान हैं। संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' में मनीषा कोइराला के अलावा सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सहगल एक्ट्रेसेज नजर आ रही हैं। इसके अलावा अभिनेता ताहा शाह, फरीदा जलाल, शेखर सुमन, फरीदा खान, अध्ययन सुमन समेत अन्य एक्टर्स भी नजर आ रहे हैं।

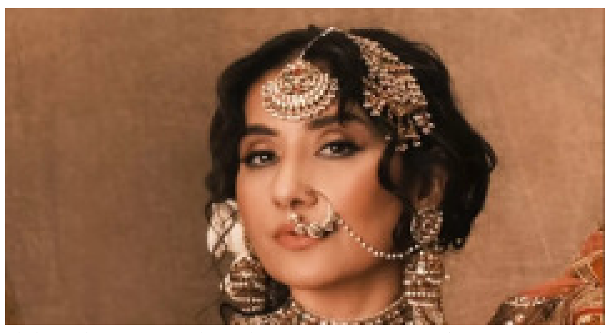

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।